10260 , SOLUTION , DSSSB (Nursery teacher's)

Ques 1. ANS (D) Solution:
वसा ऊतक, मानव शरीर में पाया जाने वाला एक प्रकार का संयोजी ऊतक है। संयोजी ऊतक मानव शरीर में एक अंग को दूसरे अंग से जोड़ने का कार्य करता है। यह प्रत्येक अंग में पाया जाता हैं। यह ऊतकों का एक विस्तृत समूह है। संयोजी ऊतक का विशिष्ट कार्य संयोजन करना, अंगो को अच्छादित करना तथा उन्हें सही स्थान पर रखना है। संयोजी ऊतक कई प्रकार के होते है, जैसे- अवकाशी ऊतक, वसीय ऊतक, तन्तुमय ऊतक, अस्थि ऊतक, लसीकाभ ऊतक आदि होते हैं।

Ques 2. ANS (B) Solution:
युजवेंद्र सिंह चहल एक भारतीय क्रिकेटर और पूर्व शतरंज खिलाड़ी है। चहल राष्ट्रीय स्तर पर शतरंज चैंपियन रहे है और साल 2013 में विश्व युवा शतरंज चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया है। चहल T20 इतिहास में 6 विकेट लेने वाले अजंता मेंडिस के बाद दुनिया के दूसरे खिलाड़ी और पहले भारतीय बनें जिन्होंने20-20 क्रिकेट में एक मैच में 6 विकेट लिये है।

Ques 3. ANS (C) Solution:
पक्के टाइगर रिजर्व, जिसे 'पखुई टाइगर रिजर्व' भी कहा जाता था। यह अरुणाचल प्रदेश के कामेंग जिले में स्थित है। इस टाइगर रिजर्व ने 'हॉर्नबिल नेस्ट एडॉप्शन प्रोग्राम' के लिए 'संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण' की श्रेणी में भारत जैव विविधता पुरस्कार 2016 जीता था।

Ques 4. ANS (A) Solution:
भारत के पूर्व क्रिकेटर और कोच वासु परांजपे का निधन हो गया। उन्होनें गावस्कर को 'सनी' उपनाम भी दिया था। परांजपे का जन्म 21नवंबर 1938 को गुजरात में हुआ था।

Ques 5. ANS (A) Solution:
वुड घोषणा पत्र द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति की समीक्षा हेतु 1882 में सरकार ने डब्ल्यू डब्ल्यू हण्टर की अध्यक्षता में हण्टर आयोग का गठन किया। इस आयोग में आठ सदस्य भारतीय थे। इस आयोग के अन्तर्गत प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा की समीक्षा की गयी थी। इसी आयोग की सिफारिश के आधार पर 1882 में पंजाब विश्वविद्यालय एवं 1887 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी।

Ques 6. ANS (A) Solution:
पादप बहुकोशिकीय जीव है। पादप जगत में प्राय: रंगीन, बहुकोशिकीय प्रकाश-संश्लेषी उत्पादक जीव सम्मिलित होते है। पेड़-पौधे में पायी जाने वाली कोशिका को पादप कोशिका कहते हैं। पादप कोशिका के बाहरी आवरण को कोशिका भित्ति कहा जाता है, जो सेलुलोस की बनी होती है।

Ques 7. ANS (B) Solution:
गोदावरी नदी की सहायक नदी 'पेनगंगा' है। गोदावरी नदी महाराष्ट्र में नासिक जिले के पास त्र्यंबकेश्वर से निकलती है और बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिरा देती है। गोदावरी नदी तंत्र प्रायद्वीपीय भारत का सबसे बड़ा नदी तंत्र है। इसे दक्षिण की गंगा भी कहा जाता है। गोदावरी नदी की सहायक नदियाँ है - प्रवरा, पूर्णा, मंजरा, वर्धा, वेनगंगा, प्राणहिता, इन्द्रावती, मनेर और सबरी।

Ques 8. ANS (A) Solution:
भारतीय राज्य असम की सीमा नेपाल देश से नहीं लगती है। नेपाल देश की सीमा को स्पर्श करने वाले भारतीय राज्य - उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम है। भारत-नेपाल के साथ 1751 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है।

Ques 9. ANS (B) Solution:
खान अब्दुल गफ्फार खाँ उत्तर - पश्चिमी सीमांत प्रांत के पठान नेता थे। खान अब्दुल गफ्फार खाँ को 'सीमांत गाँधी' के नाम से जाना जाता था। इन्होनें 'खुदाई खिदमतगार' (ईश्वर के सेवक) संगठन की स्थापना की थी। इस आन्दोलन के स्वयं-सेवक लाल कुर्ती पहनते थे, इसीलिये इसे लाल कुर्ती आन्दोलन नाम दिया गया। लाल कुर्ती दल ने गफ्फार खाँ को 'फङ्का-ए-अफगान' की उपाधि दी। इन्हानें 'पख्तून' नामक एक पत्रिका पश्तो भाषा में निकाली, जो बाद में 'दश रोजा' नाम से प्रकाशित हुई।

Ques 10. ANS (A) Solution:
राष्ट्रीय शहरी स्वच्छता नीति को 11वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत 12 सितम्बर 2008 में शुरू की गयी थी। इस नीति का उद्देश्य शहरी लोगों और विशेष रूप से मलिन बस्तियों में रहने वालों तथा अन्य कमजोर वर्ग के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। इस योजना को शहरी स्थानीय निकायों के सक्रिय सहयोग से चलाया जाना है।

Ques 11. ANS (D) Solution:
'द लास्ट क्वीन ऑफ कश्मीर' नामक उपन्यास के लेखक राकेश कौल हैं। द लास्ट क्वीन ऑफ कश्मीर कोटा की रानी के जीवन और उनके संघर्षो पर आधारित है। कोटा रानी सुहादेव के सेनापति रामचन्द्र की बेटी थी जो लोहार वंश से संबंधित कश्मीर के राजा थे।

Rakesh Kaul is the author of the novel 'The Last Queen of Kashmir'. The Last Queen of Kashmir is based on the life and struggles of the Rani of Kota. Kota Rani was the daughter of Ramchandra, commander of Suhadev who was the king of Kashmir belonging to the Lohar dynasty.

Ques 12. ANS (C) Solution:
संध्याकर नंदी ने 'रामपालचरित' नामक एक प्रसिद्ध पुस्तक की रचना थी। संध्याकर नंदी कृत 'रामपालचरित' पुस्तक में रामपाल को पाल वंश का अंतिम शासक बताया गया है।

Sandhyakar Nandi wrote a famous book named 'Rampalcharit'. In the book 'Rampalcharita' written by Sandhyakar Nandi, Rampal has been described as the last ruler of the Pala dynasty.

Ques 13. ANS (D) Solution:
संध्याकर नंदी ने 'रामपालचरित' नामक एक प्रसिद्ध पुस्तक की रचना थी। संध्याकर नंदी कृत 'रामपालचरित' पुस्तक में रामपाल को पाल वंश का अंतिम शासक बताया गया है।

Sandhyakar Nandi wrote a famous book named 'Rampalcharit'. In the book 'Rampalcharita' written by Sandhyakar Nandi, Rampal has been described as the last ruler of the Pala dynasty.

Ques 14. ANS (B) Solution:
इंडिका ग्रीक राजदूत मेगस्थनीज द्वारा लिखित एक पुस्तक है। → ग्रीक शासक सेल्यूकस द्वारा मेगस्थनीज को चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा गया था। → मेगस्थनीज मौर्य साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र में रहा और अपने प्रवास के दौरान 'इंडिका' लिखा। यह भारतीय इतिहास जानने का महत्वपूर्ण स्रोत है।

Indica is a book written by the Greek ambassador Megasthenes. → Megasthenes was sent to the court of Chandragupta Maurya by the Greek ruler Seleucus. → Megasthenes stayed in Pataliputra, the capital of the Maurya Empire and wrote 'Indica' during his stay. This is an important source to know Indian history.

Ques 15. ANS (B) Solution:
सितंबर 2021 में, भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसांधन संगठन (ISRO) के शोधकर्ताओं की एक टीम ने ऐसा उपकरण

विकसित किया जो वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में जैविक प्रयोग करने में सक्षम बना सकता है।

In September 2021, a team of researchers from the Indian Institute of Science (IISc) and the Indian Space Research Organization (ISRO) developed a device that could enable scientists to conduct biological experiments in space.

Ques 16. ANS (D) Solution:

ओम का नियम:- वैज्ञानिक ''जॉर्ज साइमन ओम'' के अनुसार-यदि किसी चालक की भौतिक अवस्था (लम्बाई, ताप व दाब) अपरिवर्तित रहे, तो उसके सिरों के बीच का विभान्तर उसमें बहने वाली धारा के अनुक्रमानुपाती होता है। अथवा V α i V = Ri जहाँ R एक नियतांक है जिसे चालक का ''वैधुत प्रतिरोध'' कहते हैं।

Ohm's Law: - According to scientist "George Simon Ohm", if the physical state of a conductor (length, temperature and pressure) remains unchanged, then the potential difference between its ends is directly proportional to the current flowing in it. Or V α i V = Ri where R is a constant which is called "electrical resistance" of the conductor.

Ques 17. ANS (C) Solution:

म्यूरिएटिक अम्ल (muriatic acid) का रासायनिक सूत्र ण्त् है। म्यूरिएटिक एसिड हाइड्रोक्लोरिक एसिड, संक्षारक एक मजबूत एसिड के नामों में से एक है। म्यूरिएटिक का अर्थ है ''नमक या नमक से संबंधित''। इसे स्पिरिट्स ऑफ साल्ट या एसिडम सालिस के नाम से भी जाना जाता है।

The chemical formula of muriatic acid is Pt. Muriatic acid is one of the names of hydrochloric acid, a strong acid that is corrosive. Muriatic means "of or relating to salt". It is also known as Spirits of Salt or Acidum Salis.

Ques 18. ANS (D) Solution:

भारतीय संविधान द्वारा सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय को अधिकारों की रक्षा करने के लिये लेख, निर्देश तथा आदेश जारी करने का अधिकार है। सर्वोच्च न्यायालय (अनुच्छेद 32 के तहत) एवं उच्च न्यायालय (अनुच्छेद 226 के तहत) रिट जारी कर सकते हैं।

According to the Indian Constitution, the Supreme Court and the High Court have the right to issue articles, instructions and orders to protect the rights. The Supreme Court (under Article 32) and the High Court (under Article 226) can issue writs.

Ques 19. ANS (B) Solution:

विश्व आवाज दिवस (WVD) एक विश्वव्यापी वार्षिक कार्यक्रम है जो 16 अप्रैल को होता है जो आवाज की घटना के उत्सव को समर्पित है । इसका उद्देश्य सभी लोगों के दैनिक जीवन में आवाज के अत्यधिक महत्व को प्रदर्शित करना है। आवाज प्रभावी और स्वस्थ संचार का एक महत्वपूर्ण पहलू है, और विश्व आवाज दिवस आवाज की समस्याओं को रोकने, विचलित या बीमार आवाज के पुनर्वास, कलात्मक आवाज को प्रशिक्षित करने और आवाज के कार्य और अनुप्रयोग पर शोध करने की आवश्यकता के प्रति वैश्विक जागरूकता लाता है।

Ques 20. ANS (B) Solution:

Ques 21. ANS (D) Solution:

Ans. (d) : दी गई शीट के विपरीत फलक निम्नवत् हैं-

$3 \xrightarrow{\text{विपरीत फलक}} 5$

$6 \xrightarrow{\text{विपरीत फलक}} 1$

$4 \xrightarrow{\text{विपरीत फलक}} 2$

अतः स्पष्ट है कि शीट को रेखाओं पर मोड़ने से बॉक्स A प्राप्त किया जा सकता है। अतः विकल्प (d) सही है।

Ques 22. ANS (B) Solution:

Ans. (b) :

जिस प्रकार,

$P \xrightarrow{+1} Q$

$R \xrightarrow{-1} Q$

$O \xrightarrow{+1} P$

$T \xrightarrow{-1} S$

$E \xrightarrow{+1} F$

$C \xrightarrow{-1} B$

$T \xrightarrow{+1} U$

$I \xrightarrow{-1} H$

$O \xrightarrow{+1} P$

$N \xrightarrow{-1} M$

उसी प्रकार,

$A \xrightarrow{+1} B$

$B \xrightarrow{-1} A$

$S \xrightarrow{+1} T$

$O \xrightarrow{-1} N$

$L \xrightarrow{+1} M$

$U \xrightarrow{-1} T$

$T \xrightarrow{+1} U$

$E \xrightarrow{-1} D$

$L \xrightarrow{+1} M$

$Y \xrightarrow{-1} X$

Ques 23. ANS (B) Solution:

Ans. (b) : प्रश्नानुसार बैठाने पर -

पीटर याग्रिक जोहरा विल्सन

अतः याग्रिक के बाईं ओर पीटर बैठा है।

Ques 24. ANS (A) Solution:

Ans. (a) : प्रश्नानुसार,

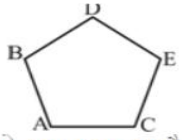

अतः E की बाईं ओर तीसरे स्थान पर B बैठा है।

Ques 25. ANS (D) Solution:

Ans. (d) : विकल्प आकृति (d) श्रृंखला में प्रश्नवाचक चिन्ह (?) के स्थान पर आएगी।

क्योंकि चिन्ह ' ' दक्षिणावर्त दिशा में क्रमशः '90°' घूम रहा है एवं चिन्ह ' ' वामावर्त दिशा में '90°' घूम रहा है एवं इसके अन्दर का रंगीन भाग (■) एक-एक स्थान आगे खिसक रहा है।

Ques 26. ANS (A) Solution:

Ans. (a) : माना लड़कों की कुल संख्या = x

$$x \times \frac{4}{5} = 48$$

$$x = 60$$

पुनः माना कुल छात्रों की संख्या = y

प्रश्नानुसार

$$y \times \frac{3}{4} = 60$$

$$y = \frac{60 \times 4}{3}$$

$$y = 80$$

लड़कियों की कुल संख्या = 80–60

= 20

Ques 27. ANS (C) Solution:

Ans. (c) : दिया है - a = ×, b = ÷, c = –, d = +
समीकरण '55a5b5c5d3' में चिन्हों को प्रतिस्थापित करने पर-
= 55 × 5 ÷ 5 – 5 + 3
= 55×1– 5 + 3
= 55 – 5 + 3
= 53

Ques 28. ANS (B) Solution:
प्रश्न में दी गई आकृति उत्तर आकृति विकल्प (b) में अंतर्निहित है। अत: विकल्प (b) सही है।
The figure given in the question is embedded in answer figure option (b). Hence option (b) is correct.

Ques 29. ANS (C) Solution:
Ans. (c) : दिए गए वर्गों के मध्य वेन आरेख

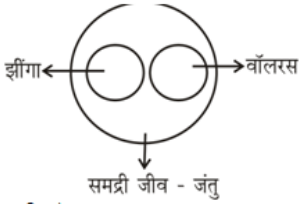

अतः विकल्प (c) सही है।

Ques 30. ANS (D) Solution:
Ans. (d) : दी गई अक्षर श्रृंखला निम्नवत् है–

$F \xrightarrow{-3} C \xrightarrow{+6} I \xrightarrow{+3} L$
$J \xrightarrow{-3} G \xrightarrow{+6} M \xrightarrow{+3} P$
$N \xrightarrow{-3} K \xrightarrow{+6} Q \xrightarrow{+3} T$
$R \xrightarrow{-3} O \xrightarrow{+6} U \xrightarrow{+3} X$

अतः $\boxed{? = LPTX}$

Ques 31. ANS (D) Solution:
Ans. (d) : प्रश्न में दी गयी श्रेणी निम्नवत् है–

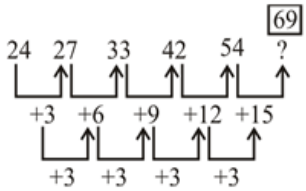

अतः $\boxed{? = 69}$

Ques 32. ANS (B) Solution:
Ans. (b) : रक्त संबंध आरेख निम्नवत है–

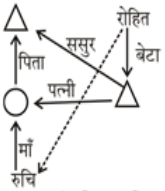

आरेख से स्पष्ट है कि रुचि, रोहित की पोती है।

Ques 33. ANS (D) Solution:
Ans. (d) : कूट भाषा से–

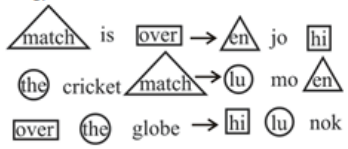

अतः स्पष्ट कि cricket को कूट भाषा में 'mo' लिखा जाएगा।

Ques 34. ANS (C) Solution:
Ans. (c) : `1, `5 और `10 के सिक्के समान संख्या में है।
प्रश्नानुसार,
1x + 5x + 10x = 640
16x = 640
x = 40
सिक्कों की कुल संख्या = x + x + x
= 3x = 3 × 40 = 120

Ques 35. ANS (D) Solution:
Ans. (d) :

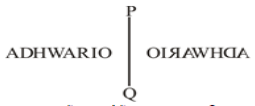

ADHWARIO के दाँयें PQ दर्पण पर रखने पर सही प्रतिबिंब के रूप में उत्तर विकल्प (d) प्राप्त होगा।

Ques 36. ANS (A) Solution:
Ans. (a) : जिस प्रकार –

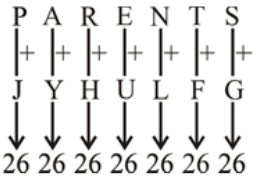

उसी प्रकार -

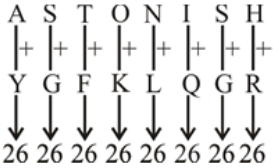

अतः ASTONISH का कूटभाषा = 'YGFKLQGR' लिखा जाएगा।

Ques 37. ANS (C) Solution:
Ans. (c) : जिस प्रकार,
23 × 2 + 49 = 95
95 = 95
17 × 2 + 28 = 62
62 = 62

उसी प्रकार,
? × 2 + 44 = 74
? × 2 = 30
$\boxed{? = 15}$

Ques 38. ANS (D) Solution:
Ans. (d) :

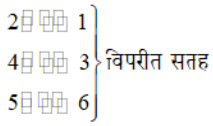

दिए गये पासा के समान सतह व विपरीत सतह से स्पष्ट है कि केवल पासा A और C बनाया जा सकता है।
Note: - कभी भी विपरीत सतह एक साथ नहीं आते है।

Ques 39. ANS (B) Solution:
Ans. (b) : कथनानुसार वेन आरेख बनाने पर –

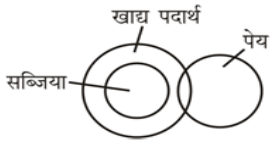

निष्कर्ष :- I - (✓)
II - (×)
आरेख से स्पष्ट है कि केवल निष्कर्ष I, कथन का पालन करता है।

Ques 40. ANS (A) Solution:

Ans. (a) : A = +

B = –

× = ÷

÷ = ×

$12 \div (81\ B\ 18) \times 9\ B\ 34\ A\ 12 \times 6$

व्यंजक में चिन्हों को प्रतिस्थापित करने पर –

$= 12 \times (81 - 18) \div 9 - 34 + 12 \div 6$

$= 12 \times 63 \div 9 - 34 + 2$

$= 12 \times 7 - 34 + 2$

$= 84 - 34 + 2$

$= 52$

Ques 41. ANS (D) Solution:

माना स्कूल में लड़कों की संख्या = 3x

स्कूल में लड़कियों की संख्या = 2x

कुल छात्रों की संख्या = 5x

छात्रवृत्ति न पाने वाले लड़कों की संख्या = $3x \times \frac{80}{100} = \frac{12x}{5}$

छात्रवृत्ति न पाने वाली लड़कियों की संख्या = $2x \times \frac{75}{100} = \frac{3x}{2}$

छात्रवृत्ति न पाने छात्रों की संख्या = $\frac{12x}{5} + \frac{3x}{2} = \frac{39x}{10}$

छात्रवृत्ति न पाने वाले छात्रों का प्रतिशत = $\frac{\frac{39x}{10}}{5x} \times 100$

$= \frac{39x}{10} \times \frac{1}{5x} \times 100 = 78\%$

Ques 42. ANS (D) Solution:

विक्रय मूल्य = क्रय मूल्य $\times \frac{(100 \pm \text{लाभ/हानि})}{100}$

$466 = \text{क्रय मूल्य} \ \frac{(100+16.5)}{100}$

$\text{क्रय मूल्य} = \frac{466 \times 100}{116.5}$

क्रय मूल्य = 400

हानि = 400 – 330 = 70

$\text{हानि\%} = \frac{70 \times 100}{400} = 17.5\%$

Ques 43. ANS (B) Solution:

अंकित मूल्य = `80

विक्रय मूल्य = `68

$= \frac{\text{अंकित मू.} - \text{विक्रय मू.}}{\text{अंकित मू.}} \times 100$

$= \frac{80 - 68}{80} \times 100$

$= \frac{12}{80} \times 100 = 15\%$

Ques 44. ANS (B) Solution:

$a : b = 45 : 56$

$b : c = 16 : 35$

$\therefore a : c = \frac{a}{c} = \frac{a}{b} \times \frac{b}{c}$

$= \frac{45}{56} \times \frac{16}{35}$

$= \frac{18}{49} = 18 : 49$

Ques 45. ANS (C) Solution:

पूँजी निवेश अनुपात = A : B : C

= 2 : 3 : 5

निवेशित समय का अनुपात = 4 : 5 : 6

तो लाभ का अनुपात = पूँजी निवेश × निवेशित समय

$= 2 \times 4 : 3 \times 5 : 5 \times 6$

$= 8 : 15 : 30$

Ques 46. ANS (A) Solution:

A का 1 दिन का कार्य = $\frac{1}{5}$ भाग

B का 1 दिन का कार्य = $\frac{1}{8}$ भाग

A तथा B के कामों/ दक्षताओं का अनुपात = $\frac{1}{5} : \frac{1}{8}$

$\boxed{A : B = 8 : 5}$

अत: A का हिस्सा = $\frac{6,760}{13} \times 8 = 520 \times 8 = `4,160$

Ques 47. ANS (B) Solution:

प्रश्नानुसार-

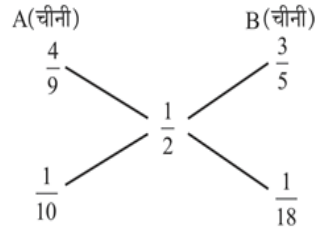

अभीष्ट अनुपात = $\frac{1}{10} : \frac{1}{18} = 9 : 5$

Ques 48. ANS (B) Solution:

पाइप X को $\frac{2}{3}$ भाग भरने में लगा समय = 10 घंटे

∴ पूरा भाग भरने में लगा समय = $10 \times \frac{3}{2} = 15$ घंटा

पाइप Y को $\frac{1}{6}$ भाग भरने में लगा समय = 5 घंटे

∴ पूरा भाग भरने में लगा समय = $5 \times 6 = 30$ घंटा

दोनों पाइप X और Y द्वारा एक साथ 1 घंटे में टंकी का भरा भाग

$= \frac{1}{30} + \frac{1}{15} = \frac{1+2}{30} = \frac{3}{30} = \frac{1}{10}$

∴ पूरा भाग भरने में लगा समय = 10 घंटा

Ques 49. ANS (A) Solution:

माना ` 6600 का पहला भाग x ` है तो

दूसरा भाग = ` (6600 – x)

प्रश्नानुसार –

$$x \times \frac{3\times10}{100} = (6600-x)\times\frac{4\times9}{100}$$

$$5x = 39600 - 6x$$

$$11x = 39600$$

पहला भाग, $x =$ ` 3600

दूसरा भाग, 6600-3600 = ` 3000

Ques 50. ANS (A) Solution:

मूलधन $(P) =$ ` 5000

समय $(t) = 2$

दर $(r) = 9\%$

$$\text{चक्रवृद्धि मिश्रधन} = \text{मूलधन}\left(1+\frac{\text{दर}}{100}\right)^{\text{समय}}$$

$$= 5000\left(1+\frac{9}{100}\right)^2$$

$$= 5000\times\frac{109}{100}\times\frac{109}{100}$$

$$= \frac{5\times109\times109}{10} = 5940.5 \approx \text{ ` } 5940$$

Ques 51. ANS (D) Solution:

माना X व Y की वर्तमान आयु क्रमशः 3x तथा 4x वर्ष है।

पाँच साल पहले की आयु का अनुपात = 5 : 7

$$\frac{3x-5}{4x-5} = \frac{5}{7}$$

$$21x - 35 = 20x - 25$$

$$21x - 20x = -25 + 35$$

$$x = 10$$

तो Y की वर्तमान आयु $= 4x = 4 \times 10 = 40$ वर्ष

Ques 52. ANS (B) Solution:

∵ प्रथम n प्राकृतिक संख्याओं का औसत $= \frac{n+1}{2}$

∴ प्रथम 50 प्राकृतिक संख्याओं का औसत $= \frac{50+1}{2} = 25.5$

Ques 53. ANS (D) Solution:

माना ट्रेन की चाल V km/hr है।

ट्रेन दोनों व्यक्तियों के दिशा में चल रही है।

सापेक्ष चाल के नियम तथा दूरी = चाल × समय से

(पहले व्यक्ति के लिए) दूरी $= (V-9)\times\frac{8}{3600}$

(दूसरे व्यक्ति के लिए) दूरी $= (V-12)\times\frac{8.4}{3600}$

∵ ट्रेन द्वारा दोनों व्यक्तियों को पार करने में चली गई दूरी समान होगी।

$$\therefore (V-9)\times\frac{8}{3600} = (V-12)\times\frac{8.4}{3600}$$

$$8V - 72 = 8.4V - 100.8$$

$$100.8 - 72 = 0.4V$$

$$28.8 = 0.4V$$

$$V = \frac{288}{4} = 72\text{km/h}$$

Ques 54. ANS (A) Solution:

प्रश्न से,

दूरी = 338 मी.

समय = 50 सेकेण्ड

$$\text{चाल} = \frac{\text{दूरी}}{\text{समय}} = \frac{338 \text{ मी.}}{50 \text{ सेकेण्ड}}$$

चाल = 6.76 मी/से.

Ques 55. ANS (B) Solution:

शांत जल में नाव की गति (a) = 20 km/hr

धारा के विपरीत नाव की गति $= \frac{20}{4} = 5$ km/hr

माना धारा की चाल b km/hr हो तो,

प्रश्नानुसार

धारा के विपरीत नाव की चाल = (a-b) km/hr

अतः $5 = 20 - b$

$b = 20 - 5$

$b = 15$

अतः धारा की चाल = 15 km/hr

Ques 56. ANS (C) Solution:

सूत्र- $s = \frac{a+b+c}{2}$ (जहाँ a=72, b=30, c=78)

$$= \frac{72+30+78}{2} = 90\text{ m}$$

त्रिभुज का क्षे. $= \sqrt{s(s-a)(s-b)(s-c)}$

$$= \sqrt{90(90-72)(90-30)(90-78)}$$

$$= \sqrt{90\times18\times60\times12}$$

$$= \sqrt{1166400} = 1080$$

20 पैसे $=$ ` $\frac{20}{100}$

$=$ ` $\frac{1}{5}$

$\therefore$ लागत मूल्य $= 1080\times\frac{1}{5} =$ ` 216

Ques 57. ANS (A) Solution:

: दिया है,

प्रथम पद (a) = 5

सार्वान्तर (d) = 6

T_{23} =?

$T_{23} = a + (n-1)d$

$T_{23} = 5 + (23-1)6$

$T_{23} = 5 + (22 \times 6)$

$T_{23} = 5 + 132$

$T_{23} = 137$

Ques 58. ANS (B) Solution:

एक उपचार का चयन करने वाले रोगियों की संख्या = 50 – (4 + 5 + 5 + 4) = 50 – 18 = 32

Number of patients selecting one treatment = 50 – (4 + 5 + 5 + 4) = 50 – 18 = 32

Ques 59. ANS (C) Solution:

$\cos x + \sin x = \sqrt{2}\cos x$

Sinx से भाग करने पर,

$\cot x + 1 = \sqrt{2}\cot x$

$\sqrt{2}\cot x - \cot x = 1$

$\cot x\left(\sqrt{2}-1\right) = 1$

$\cot x = \dfrac{1}{\sqrt{2}-1}$

या

$$\cot = \frac{\left(\sqrt{2}+1\right)}{\left(\sqrt{2}-1\right)\left(\sqrt{2}+1\right)}$$

$$\cot x = \frac{\sqrt{2}+1}{2-1}$$

$$\cot x = \sqrt{2}+1$$

Ques 60. ANS (B) Solution:

$$= \frac{1}{2}\left[x_1(y_2-y_3)+x_2(y_3-y_1)+x_3(y_1-y_2)\right]$$

$$= \frac{1}{2}\left[a\{c+a-(a+b)\}+b\{a+b-(b+c)\}+c\{b+c-(c+a)\}\right]$$

$$= \frac{1}{2}\left[a(c+a-a-b)+b(a+b-b-c)+c(b+c-c-a)\right]$$

$$= \frac{1}{2}[ac-ab+ab-bc+bc-ac]$$

$$= \frac{1}{2}\times 0 = 0$$

Ques 61. ANS (D) Solution:

उपर्युक्त गद्यांश के रिक्त स्थान (1) के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द 'दिशा' होगा। अत: पूर्ण वाक्य होगा - आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने हिन्दी निबंध के स्वरूप और दिशा का निर्धारण किया ।

Ques 62. ANS (C) Solution:

उपर्युक्त गद्यांश के रिक्त स्थान (2) के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द ' निर्धारण' होगा । अत: पूर्ण वाक्य होगा - आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने हिन्दी निबंध के स्वरूप और दिशा का निर्धारण किया।

Ques 63. ANS (C) Solution:

दिये गये वाक्य ' मुझसे अब चल नहीं सकता' में रेखांकित खंड को प्रतिस्थापित करने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प (3) होगा। अत: शुद्ध वाक्य होगा - मुझसे अब चला नहीं जाता।

Ques 64. ANS (A) Solution:

दिये गये विकल्पों में से 'पारलौकिक' वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है। अन्य सभी अशुद्ध है।

Ques 65. ANS (A) Solution:

दिये गये वाक्य 'तुम मुझे अपना छोटा सा भाई समझो' में रेखांकित अंश को प्रतिस्थापित करने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प (1) होगा। अत: शुद्ध वाक्य होगा - तुम मुझे अपना छोटा भाई समझो।

Ques 66. ANS (A) Solution:

दिये गये वाक्य 'वृक्षों पर कोयल कूक रही है' के 'वृक्षों पर' वाले भाग में कर्ता संबंधी अशुद्धि है। यहाँ बहुवचन कर्ता के स्थान पर एकवचन कर्ता का प्रयोग उपयुक्त होगा । अत: शुद्ध वाक्य होगा -वृक्ष पर कोयल कूक रही है।

Ques 67. ANS (C) Solution:

वाक्यखंड एक शब्द जिसे बुलाया गया हो - आहूत जिसे बुलाया न गया हो - अनाहूत बिना पलक गिराए - अनिमेष जिसका कोई निश्चित घर न हो - अनिकेत

Ques 68. ANS (D) Solution:

दिये गये वाक्य 'अमावस्या को अंधेरा छा जाता है' में रेखांकित खंड 'अमावस्या' का सही विलोम शब्द 'पूर्णिमा' होगा, जबकि 'अंधेरा' का विलोम 'उजाला', 'अंधकार' का 'प्रकाश' तथा 'समास' का 'व्यास' होता है।

Ques 69. ANS (C) Solution:

दिये गये वाक्य 'बच्चा, माँ - बाप की आँखों का ____ होता है' में रिक्त स्थान पर 'तारा' शब्द उपयुक्त होगा। अत: पूर्ण वाक्य होगा - बच्चा, माँ - बाप की आँखों का तारा होता है।

Ques 70. ANS (C) Solution:

दिये गये शब्दों में से 'प्रतिनिधि' शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है। अन्य सभी विकल्प अशुद्ध है।

Ques 71. ANS (C) Solution: दिए गए शब्द– ''मूक'' का विलोम होगा–''वाचाल''। अत: दिए गए विकल्प के शब्दों का विलोम निम्न है। शब्द विलोम विमुख – उन्मुख, सम्मुख, प्रतिमुख, प्रत्यक्ष। वाचाल – मूक खगोल – भूगोल

Ques 72. ANS (A) Solution: दिए गए विकल्प में शुद्ध वर्तनी वाला शब्द ''विषाद'' है। अत: शेष शब्द असत्य हैं।

Ques 73. ANS (D) Solution: दिए गए वाक्य में रेखांकित खंड को प्रतिस्थापित करने के लिए सबसे उपयुक्त शब्द – ''मुर्दों का हाथ बँटाती है।'' अत: पूर्ण वाक्य होगा– ''आजकल औरतें हर काम में मुर्दो का हाथ बँटाती हैं।

Ques 74. ANS (C) Solution: दिए गए वाक्य में रेखांकित खंड को प्रतिस्थापित करने के लिए सबसे उपयुक्त शब्द ''रोटरी क्लन के सौजन्य से हुआ है।'' अत: पूर्ण वाक्य होगा–''इस कक्ष का निर्माण रोटरी क्लब के सौजन्य से हुआ है।

Ques 75. ANS (C) Solution: दिए गए मुहावरा शब्द ''चिराग तले अंधेरा'' का अर्थ होगा ''पंडित के घर में मूर्खता का आचरण'' होगा। मुहावरा मूलत: अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है बातचीत करना या उत्तर देना। अत: कुछ मुहावरा निम्न है– पत्थर में दूब जमना – असम्भव का भी सम्भव होना। पेट में दाढ़ी होना – कम उम्र में अनुभव और ज्ञानी होना। बगुला भगत होना – कपट पूर्ण व्यवहार करना।

Ques 76. ANS (C) Solution: दिए गए वाक्य में – ''उसने अपना पौरुषत्व प्रमाणित कर दिया'' अत: इस वाक्य में ''पौरुषत्व'' शब्द गलत है। अत: इसके स्थान पर ''पुरुषतत्व'' शब्द सत्य है। अत: पूर्ण वाक्य होगा– ''उसने अपना पुरुषतत्व प्रमाणित कर दिया।

Ques 77. ANS (D) Solution: दिए गए वाक्य में रिक्त स्थान पूर्ति के लिए ''लड़ाई'' शब्द उपयुक्त है। अत: पूर्ण वाक्य होगा– ''हमने कभी ऐसी लड़ाई नहीं देखी थी।

Ques 78. ANS (C) Solution: दिए गए शब्द ''जो कुछ न जानता हो'' के लिए वाक्यांश का एक शब्द होगा– ''अज्ञ''। अत: अन्य विकल्प के लिए वाक्यांश का एक शब्द निम्न है। सर्वज्ञ– जो सब जानता हो ज्ञानी– जो सर्वज्ञ पुराण, उपनिषद शास्त्र का ज्ञान रखता हो। भिज्ञ– जो जानकारी रखता है।

Ques 79. ANS (B) Solution: दिए गए शब्द – ''जो प्राप्त न हो सके'' के लिए वाक्यांश का एक शब्द होगा– ''अप्राप्य''। अत: अन्य विकल्प के वाक्यांश के लिए एक शब्द निम्न है। प्राप्य – जो प्राप्त हो सके। अप्राप्य – जो प्राप्त न हो

Ques 80. ANS (A) Solution: दिए गए शब्द –''आहार'' का विलोम– निराहार होगा। अन्य विकल्प के विलोम शब्द निम्न है। शब्द विलोम उपहार – निराश्रितता निरहार – आहार आवेश – अनावेश

Ques 81. ANS (A) Solution: उपरोक्त passage रिक्त स्थान (1) में at का प्रयोग होगा क्योंकि किसी छोटे स्थान, दुकान या संस्थान के पहले Preposition 'at' का प्रयोग किया जाता है। Correct sentence– My experience at the Indian Institution of Advanced Study.

Ques 82. ANS (B) Solution:
उपरोक्त passage के भाव के अनुसार रिक्त स्थान (2) में memorable (स्मरण करने योग्य) का प्रयोग उपयुक्त होगा। विकल्प भिन्न अर्थ देते है। overcome – जीतना memoir – संस्मरण eligible – योग्य correct sentence– Simla will always be memorable.....

Ques 83. ANS (C) Solution: उपरोक्त idiom' on the cards' (संभावित) के लिए विकल्प (c) Likely to happen उपयुक्त व्याख्या करता है। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है।

Ques 84. ANS (B) Solution: उपरोक्त group of words, Afternoon show of a film or play के लिए one word विकल्प (b) matinee (तीसरे पहर का नाटक) उपयुक्त होगा। Movie – चलचित्र Spectacle – तमाशा performance – प्रदर्शन

Ques 85. ANS (B) Solution: उपरोक्त वाक्य के भाव के अनुसार रिक्त स्थान में compatible (अनुकूल/मुताबिक) का प्रयोग उपयुक्त होगा। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है conformity – अनुपालन coordinated – समन्वित consequent – फलस्वरूप

Ques 86. ANS (C) Solution: उपरोक्त group of words, A thing no longer in use के लिए one word विकल्प (c) देंदतू (अप्रचलित) उपयुक्त होगा। अन्य विकल्पों के अर्थ Broken – टूटा हुआ Absolute – पूर्ण Damaged – क्षतिग्रस्त

Ques 87. ANS (B) Solution: GLEAM – चमक, synonym-shine अन्य विकल्पों के अर्थ- Dull – सुस्त fade – मुरझाना Slow – धीमा

Ques 88. ANS (C) Solution: उपरोक्त वाक्य के भाव के अनुसार रिक्त स्थान में reminds (याद दिलाना) का प्रयोग उपयुक्त होगा। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है। recollects – स्मरण करना Recalls – याद करना Remembers – याद रखना correct sentence– Sunanda reminds me of my school friend whom I haven't seen for many years.

Ques 89. ANS (A) Solution:
उपरोक्त विकल्पों में से विकल्प (a) influance की वर्तनी अशुद्ध है अतः इसकी वर्तनी influence (प्रभाव) होगी। अन्य विकल्पों की वर्तनी शुद्ध है। Superior – सर्वश्रेष्ठ Intermediate – मध्यवर्ती Interfere – हस्तक्षेप करना

Ques 90. ANS (A) Solution: उपरोक्त वाक्य के रेखांकित भाग have escaped fromके स्थान पर has escaped from का प्रयोग होगा क्योकि Either - or correlative conjuction हैै। अतः verb का निर्धारण orके बाद आये हुये subject के अनुसार प्रयुक्त होता है। अतः lion singular subject इसलिए verb singular (has) का प्रयोग होगा correct sentence- Either the bear or the lion has escaped from the zoo

Ques 91. ANS (C) Solution:
उपरोक्त वाक्य में will be causing के स्थान पर will be caused का प्रयोग होगा क्योंकि will /shall + beके बाद प्रयुक्त verb हमेशा v प्रयुक्त होती है। correct sentence– The air in the city is so polluted that it will be caused several kinds of respiratory illnesses.

Ques 92. ANS (D) Solution: उपरोक्त idiom' Having the gift of the gab' (बोलने में कुशल) के लिए विकल्प (d) Take well and persuasively उपयुक्त व्याख्या करता है। अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है।

Ques 93. ANS (C) Solution: उपरोक्त वाक्य में at long hours के स्थान पर for a long time उपयुक्त का प्रयोग होगा क्योंकि for a long time एक Phrasal verb है जिसका अर्थ 'लम्बे समय से' होता है। Correct sentence– The students were tired after working for a long time.

Ques 94. ANS (C) Solution: उपरोक्त वाक्य के रेखांकित भाग trapped के स्थान पर were trapped का प्रयोग होगा क्योकि वाक्य की दूसरी clause passive में प्रयुक्त हुयी है अतः Be + V^3 (were trapped) का प्रयोग उचित होगा Correct sentence– The ceiling, which had cracks, caved in and several people were trapped.

Ques 95. ANS (A) Solution: उपरोक्त वाक्य के रेखांकित भाग Abandoned (छोड़ा हुआ) के स्थान पर wandered (इधर-उधर घूमना) का प्रयोग उपयुक्त होगा अन्य विकल्प भिन्न अर्थ देते है। Enhanced – बढ़ाया Channeled – नालीदार Embarrassed – शर्मिंदा

Ques 96. ANS (B) Solution: Vast – विशाल, Antonym – Small – छोटा अन्य विकल्पों के अर्थ Limitless – असीम Gigantic – विशाल Huge – बड़ा

Ques 97. ANS (B) Solution: उपरोक्त group of words' Mark or substance that is impossible to remove' के लिए one word विकल्प (b) indelible (अमिट) होगा अन्य विकल्पों के अर्थ भिन्न है Incredible – अविश्वसनीय Stained – दाग Smudge – धब्बा

Ques 98. ANS (C) Solution: Regret– खेद, Synonym– Repent– पछतावा होना अन्य विकल्पों के अर्थ– Receive – प्राप्त करना Repeat – दोहराना Relieve – राहत देना

Ques 99. ANS (C) Solution: उपरोक्त वाक्य में Neither of them have के स्थान पर Neither of them has का प्रयोग होगा क्योकि Either/Neither के साथ verb हमेशा singular प्रयुक्त होती है। correct sentence– Neither of them has any experience in software development.

Ques 100. ANS (B) Solution: उपरोक्त विकल्पों में से विकल्प (b) Excepsional की वर्तनी अशुद्ध है अतः उसकी शुद्ध वर्तनी exceptional (असाधारण) होगी अन्य विकल्पों की वर्तनी शुद्ध है। Imperative – अनिवार्य Integrated – एकीकृत Intensify – तेज

Ques 101. ANS (D) Solution:

Ques 102. ANS (A) Solution:

Ques 103. ANS (B) Solution:

Ques 104. ANS (C) Solution:

Ques 105. ANS (B) Solution:

Ques 106. ANS (A) Solution:

Ques 107. ANS (B) Solution:

Ques 108. ANS (C) Solution:

Ques 109. ANS (D) Solution:

Ques 110. ANS (C) Solution:

Ques 111. ANS (B) Solution:

Ques 112. ANS (B) Solution:

Ques 113. ANS (B) Solution:
Ques 114. ANS (C) Solution:
Ques 115. ANS (A) Solution:
Ques 116. ANS (D) Solution:
Ques 117. ANS (C) Solution:
Ques 118. ANS (A) Solution:
Ques 119. ANS (A) Solution:
Ques 120. ANS (A) Solution:
Ques 121. ANS (A) Solution:
यह वह विज्ञान है जो व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है।
क्योंकि यह प्रक्रियाओं के बारे में बताता है, यह आधुनिक शिक्षा का एक अनिवार्य घटक है।
यह व्यक्तिगत विभिन्नता की उपस्थिति के बारे में बताता है जो किसी व्यक्ति के अधिगम को प्रभावित करते हैं क्योंकि सीखना हमारे व्यक्तित्व का एक भाग है जो बनने वाले व्यवहार को प्रभावित करता है।
It is the science that studies behavior and mental processes.
Since it tells about the processes, it is an essential component of modern education.
It tells about the presence of individual differences that influences the learning of an individual since learning influences behavior that forms a part of our personality.
Ques 122. ANS (C) Solution:
लक्ष्य प्राप्त करने के बाद व्यक्ति कभी नहीं रुकता। यह एक ऐसा चक्र है जो जीवन भर चलता रहता है, इसलिए इसे अभिप्रेरक चक्र कहा जाता है।
'अभिप्रेरक चक्र' की अवस्था में चार चरण शामिल हैं:
आवश्यकता: आवश्यकता अनिवार्यता की कमी है। एक अंतर्निहित आवश्यकता के कारण एक कार्रवाई शुरू हो जाती है।
अंतर्नोद: यह एक लक्ष्य की उपलब्धि में दूसरा चरण है। यह एक जीव को अपने लक्ष्य की ओर प्रेरित करने के लिए एक सतत प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है। यह उच्च तनाव की स्थिति है जो व्यवहार के लिए अग्रणी है। इसकी एक दिशा और वैधता है।
प्रोत्साहन: कार्यों से सकारात्मक परिणाम एक व्यक्ति को एक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने में एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करते हैं। यह पर्यावरण की वस्तु है जो व्यवहार को सक्रिय, निर्देशित और बनाए रखता है।
लक्ष्य: वे सकारात्मक या नकारात्मक हो सकते हैं। सकारात्मक लक्ष्य वे होते हैं जिन्हें व्यक्ति प्राप्त करने की कोशिश करता है, जैसे कि संबंध, भोजन, सफलता इत्यादि। नकारात्मक लक्ष्य वे होते हैं जिनसे व्यक्ति बचने या भागने की कोशिश करता है, जैसे कि शर्मनाक स्थिति, अपमान, दंड आदि।

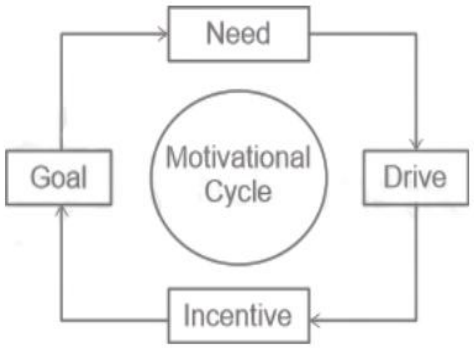

A person never stops after achieving a goal. It is a cycle that continues throughout life, hence, called the Motivational Cycle.
The Motivation Cycle is comprised of four stages:
Need: A need is a lack of necessity. An action gets initiated because of an underlying need.
Drive: It is the second step in the achievement of a goal. It acts as a persistent stimulus to push an organism towards its goal. It is the state of heightened tension leading to the behavior. It has a direction and valence.
Incentive: Positive outcomes from actions act as an incentive in motivating a person towards achieving a goal. It is the object of the environment that activates, directs and maintains behaviour.
Goals: They can be either positive or negative. Positive goals are the ones that a person tries to attain, such as relationships, food, success, etc. Negative goals are the ones that a person tries to avoid or escape from, such as embarrassing situations, insults, punishments, etc.
Ques 123. ANS (D) Solution:
उपर्युक्त स्थिति में, कोहलर-कबूतर गलत युग्म है। कोहलर के अंतर्दृष्टि अधिगम के प्रयोग में बंदर/चिंपांजी शामिल थे।
कोहलर का अधिगम अंतर्दृष्टि सिद्धांत: यह बताता है कि जब कोई व्यक्ति संघर्ष से जूझ रहा होता है, तो किसी समस्या का समाधान अंतर्दृष्टि के झलक से 'अचानक से' आ जाता है।
इसके लिए कोहलर ने निम्नलिखित प्रयोग का प्रदर्शन किया:
उन्होंने चिम्पांजी को एक बंद कमरे में रखा जहां भोजन को उसकी पहुंच से दूर रखा गया था, और बक्से, छड़ी जैसी चीजें वहां छोड़ी गयी थीं।
चिम्पांजी भोजन तक पहुंचने के लिए कमरे के अंदर घूमता रहता था।
वह एक बक्शे पर अचानक खड़ा हो जाता है और छड़ी का उपयोग करके भोजन को अपने करीब लाने की कोशिश करता है।
यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह प्रयत्न और त्रुटि का परिणाम नहीं था, चिम्पांजी को अचानक बक्से और छड़ी का उपयोग करने का विचार आया था।
इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकलता है कि कोहलर-कबूतर एक गलत युग्म है।
In the above-mentioned situation, Kohler- Pigeon is the wrong pair. Monkey/Chimpanzee was involved in Kohler's experiment of Insightful Learning.
Kohler's Insightful Theory of Learning: It says that the solution to a problem arrives 'all of a sudden' flash of insight when a person is struggling.
For this, Kohler demonstrated the following experiment:
He kept chimpanzees in a closed room where food was kept out of their reach, and items like boxes, and the stick was there.
The chimpanzee would roam inside the room to reach the food.
They would 'suddenly' stand on a box and use the stick to bring food close to them.
It should be noted that it was not the result of trial and error instead, the chimpanzee suddenly came up with the idea to use boxes and stick.
Thus, it is concluded that Kohler - Pigeon is a wrong pair.
Ques 124. ANS (B) Solution:
प्रतिभाशाली बच्चे उन बच्चों को संदर्भित करते हैं जो अपने सहकर्मी समूह के अन्य लोगों की तुलना में असाधारण रूप से कार्य करते हैं। वे अपने निर्णयों में स्वतंत्र होते हैं क्योंकि उनके पास उन्नत तार्किक और रचनात्मक सोच है।
प्रतिभाशाली बच्चे असाधारण रूप से जिज्ञासु होते हैं और अपनी स्वयं की

जिज्ञासा को संतुष्ट करने के लिए ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं। वे आंतरिक रूप से उच्च आत्म-सम्मान से प्रेरित होते हैं।
प्रतिभाशाली बच्चों के 'I.Q.' की सही सीमा जानने के लिए IQ तालिका देखें:

सीमा	वर्णनात्मक वर्गीकरण
0-25	बहुत अधिक मंदबुद्धि, बुद्धिहीन
26-50	गंभीर रूप से मंदबुद्धि, जड़ बुद्धि
41-55	मंद
56-70	हल्के असामान्य, हल्का मंदबुद्धि, कमजोर दिमाग वाला
71-85	धीमी गति से सीखने वाला, मंदता की सीमा रेखा पर, मूर्ख
86-115	सामान्य, औसत
116-130	तीव्रबुद्धि
131-145	प्रतिभाशाली
146 से अधिक	प्रतिभावान

Gifted children refer to the children who perform tasks extraordinarily when compared with others of their peer group. They are independent in their judgments as they possess advanced logical and creative thinking.
Gifted children are exceptionally curious and have a thirst for knowledge in order to satisfy their own curiosity. They are intrinsically motivated with high self-esteem.
Refer to the IQ table to know the correct range of 'I.Q.' of the gifted children:

Range	Descriptive classification
0-25	Profoundly retarded, idiot
26-50	Severely retarded, imbecile
41-55	Retarded
56-70	Mildly subnormal, mildly retarded, feeble-minded
71-85	Slow learner, borderline, moron
86-115	Normal, average
116-130	Bright
131-145	**Gifted**
146 above	Genius

Ques 125. ANS (C) Solution:
औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था: (12-18 Years)
इस स्तर पर, बालक अमूर्त अवधारणाओं के बारे में चिन्तन की क्षमता विकसित करता है।
इस अवस्था में, बालक परीक्षण और त्रुटि के अलावा काल्पनिक-निगमनात्मक तर्क का उपयोग करके समस्याओं को हल कर सकते हैं।
पियाजे का मानना था कि औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था के दौरान निगमनात्मक तर्क महत्वपूर्ण हो जाता है और किसी विशेष परिणाम को निर्धारित करने के लिए एक सामान्य सिद्धांत का उपयोग करने की क्षमता की आवश्यकता होती है। इस प्रकार के चिन्तन में काल्पनिक स्थितियां शामिल होती हैं और प्रायः विज्ञान और गणित में इसकी आवश्यकता होती है।
Formal Operational Stage: (12-18 Years)
At this stage, the child develops the ability to think about abstract concepts.
At this stage, children can solve problems using hypothetico-deductive reasoning rather than trial and error.
Piaget believed that deductive logic becomes important during the formal operational stage and requires the ability to use a general principle to determine a particular consequence. This type of thinking involves hypothetical situations and is often required in science and mathematics.
Ques 126. ANS (C) Solution:
अव्यक्त अधिगम की अवधारणा टॉलमेन द्वारा दी गई थी।
अव्यक्त अधिगम का सिद्धांत चूहों पर किये गए उनके प्रयोगों पर आधारित है।
उन्होंने प्रस्तावित किया कि व्यक्ति पर्यावरण से संकेत प्राप्त करते हैं और फिर उन संकेतों का उपयोग बौद्धिक छवि या संज्ञानात्मक मानचित्र बनाने के लिए करते हैं।
इन संज्ञानात्मक मानचित्रों का उपयोग करके, व्यक्ति पर्यावरणीय स्थितियों और उपयुक्त प्रतिक्रियाओं में बदलाव करके लक्ष्य तक पहुँचते हैं।
The concept of latent learning was given by Tolman.
His theory of latent learning is based on his experiments with rats.
He proposed that individuals get cues from the environment and then use those cues to build a mental image or a cognitive map.
By using these cognitive maps, individuals reach the goal by manipulating the environmental situations and the suitable responses.
Ques 127. ANS (B) Solution:
आत्म-जागरूक भावनाएं:
वे भावनाएं जिनमें स्वयं की भावना के साथ-साथ किसी के कार्यों को प्रतिबिंबित करने की क्षमता की आवश्यकता होती है, आत्म-जागरूक भावनाएं कहलाती हैं।
ये भावनाएं इस बात का परिणाम हैं कि सामाजिक मानदंडों और नियमों की अपेक्षा पूरी होती है या नहीं।
शर्मिंदगी, अपराधबोध, अभिमान, लज्जा और अपमान आत्म-जागरूक भावनाओं के उदाहरण हैं।
आत्म-जागरूक भावनाएं उस सीमा के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती हैं, जिस हद तक कोई व्यक्ति अपनी अपेक्षाओं, दूसरों की अपेक्षाओं या सामाजिक मानदंडों को पूरा करने में सक्षम होता है।
Self-conscious feelings:
Those emotions that require a sense of self, as well as an ability in order to reflect on one's actions, are called self-conscious emotions.
These emotions are a result of whether the expectation in terms of social norms and rules are met or not.
Examples of self-conscious emotions are embarrassment, guilt, pride, shame, and humiliation.
Self-conscious emotions occur as a result of the extent to which an individual is able to meet his/ her own expectations, the expectations of others, or social norms.
Ques 128. ANS (A) Solution:
व्यक्तित्व:

स्व और व्यक्तित्व उन विशिष्ट तरीकों का उल्लेख करते हैं जिनसे हम अपने अस्तित्व को परिभाषित करते हैं।
व्यक्तित्व का शाब्दिक अर्थ लैटिन शब्द परसोना से लिया गया है, रोमन थिएटर में अभिनेताओं द्वारा अपने चेहरे के मेकअप को बदलने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला मुखौटा।
व्यक्तित्व व्यक्तियों और स्थितियों पर प्रतिक्रिया करने के हमारे विशिष्ट तरीकों को संदर्भित करता है।
व्यक्तियों के बीच व्यवहार संबंधी मतभेदों और एक व्यक्ति के भीतर व्यवहार संबंधी स्थिरताओं को समझने और समझाने के लिए कई दृष्टिकोण और सिद्धांत विकसित किए गए हैं।
स्पष्टीकरण:
क्रेश्चमर एक जर्मन मनोचिकित्सक थे जिन्होंने रोगियों के अपने अवलोकन के आधार पर लोगों को चार प्रकारों में वर्गीकृत किया।
उन्होंने इसके लिए शारीरिक बनावट और स्वभाव का इस्तेमाल किया।
उन्होंने जिन चार प्रकारों के बारे में बात की उनमें शामिल हैं:
(i) गोलाकाय प्रकार:
भारी शरीर के प्रकार वाले ऐसे लोग कद में छोटे होते हैं।
क्रेश्चमर ने उन्हें "साइक्लोइड्स" कहा क्योंकि उनके पास उन्मत्त-अवसादग्रस्तता प्रकार के मनोविकृति के शिकार होने की उच्च संभावना है।
(ii) दौर्वल्य काय प्रकार:
ऐसे व्यक्ति अविकसित मांसपेशियों के साथ लंबे और पतले होते हैं।
स्वभाव के अनुसार उन्हें "स्किज़ोइड" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उनमें सिज़ोफ्रेनिया का विकार विकसित हो सकता है।
(iii) सुडौल काय प्रकार:
ये पेशीय प्रकार के होते हैं और इनमें अच्छी तरह से निर्मित मांसपेशियाँ होती हैं और ये न तो लंबी होती हैं और न ही छोटी।
ये स्थिर और शांत स्वभाव के होते हैं और वातावरण में होने वाले परिवर्तनों के लिए स्वयं को समायोजित करने में सक्षम होते हैं।
(iv) कुगठित काय प्रकार:
इस श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जो ऊपर वर्णित किसी भी विशेषता का प्रदर्शन नहीं करते हैं, लेकिन तीनों प्रकार के मिश्रण हैं।
Personality:
Self and personality refer to the characteristic ways in which we define our existence.
The literal meaning of personality is derived from the Latin word persona, the mask used by actors in the Roman theatre for changing their facial make-up.
Personality refers to our characteristic ways of responding to individuals and situations.
A number of approaches and theories have been developed to understand and explain behavioral differences among individuals, and behavioral consistencies within an individual.
Explanation:
Kretschmer was a German psychiatrist who on the basis of his observation of patients classified people into four types. He used the physical constitution and temperament for this purpose.
The four types he talked about included:
(i) Pyknik type:
Such people are short in height with heavily built body types. Kretschmer called them “cycloids” as they have a high probability of falling prey to the manic-depressive type of psychopathology.
(ii)Asthenic type:
Such persons are tall and thin with underdeveloped muscles. Temperament wise they are categorized as “schizoid” and may develop a disorder of schizophrenia.
(iii)Athletic type:
These are muscular types and have well-built muscles and are neither tall nor short.
They have stable and calm nature and are able to adjust themselves to changes in the environment.
(iv) Dysplastic type:
This category includes people who do not exhibit any of the characteristics mentioned above but are a mix of all three types.
Ques 129. ANS (C) Solution:
विषम नैतिकता की अवस्था को नैतिक यथार्थवाद के नाम से भी जाना जाता है।
नैतिकता बाहर से अधिरोपित की जाती है।
बच्चे नैतिकता को दूसरे लोगों के नियमों और कानूनों का पालन करने के रूप में देखते हैं, जिन्हें बदला नहीं जा सकता है।
वे स्वीकार करते हैं कि सभी नियम किसी न किसी प्राधिकरण व्यक्ति (जैसे माता-पिता, शिक्षक, भगवान) द्वारा बनाए गए हैं।
और इन नियमों को तोड़ने पर तत्काल और कड़ी सजा (अस्थायी न्याय) दी जाएगी।
The stage of heteronomous morality is also known as moral realism
Morality is imposed from the outside.
Children regard morality as obeying other people's rules and laws, which cannot be changed.
They accept that all rules are made by some authority figure (e.g. parents, teacher, God)
and that breaking the rules will lead to immediate and severe punishment (immanent justice).
Ques 130. ANS (D) Solution:
विलियम जैम्स:
प्रकार्यवाद की स्थापना विलियम जैम्स ने अमेरिका में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में की थी।
विलियम जैम्स एक अमेरिकी दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक थे जिन्होंने एक चिकित्सक के रूप में भी प्रशिक्षण लिया था।
विलियम जैम्स ने मनोविज्ञान के अध्ययन के लिए "प्रिंसिपल ऑफ़ साइकोलोजी" नामक पुस्तक लिखी।
जॉन डिवी:
जॉन डिवी आधुनिक युग के महान दार्शनिक, शिक्षाविद और विचारक हैं।
प्रकार्यवाद के लिए एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक बिंदु जॉन डिवी के लेख द रिफ्लेक्स आर्क कॉन्सेप्ट इन साइकोलॉजी इन साइकोलॉजिकल रिव्यू (1896) का प्रकाशन था।
जैम्स आर. एंजिल:
उन्होंने प्रकार्यवाद की स्पष्ट व्याख्या की है।
जैम्स आर. एंजिल ने दो विरोधी शक्तियों के रूप में संरचनावाद और प्रकार्यवाद की समीक्षा की।
उनके अनुसार जहां संरचनावाद का संबंध 'तत्व' या 'वस्तु' से है, वहीं क्रियावाद का संबंध 'प्रक्रिया' से है।
William James:
Functionalism was founded by William James at Harvard University in America.
William James was an American philosopher and psychologist who also trained as a physician.
William James wrote a book for the study of psychology

called "Principal of Psychology".
John Dewey:
John Dewey is a great philosopher, educationis,t and thinker of the modern era.
A critical starting point for functionalism was the publication of John Dewey's article The Reflex Arc Concept in Psychology in Psychological Review (1896).
James Ronald Angel
He has given a clear explanation of functionalism.
James Rowland Angell advocated structuralism and functionalism as two opposing forces.
According to him, where structuralism is related to 'element' or 'object', functionalism is related to 'process'.
Ques 131. ANS (C) Solution:
छात्रों में किशोरावस्था की अनुमानित आयु 12 - 19 वर्ष होती है।
लड़कों में, पुरुष हार्मोन टेस्टोस्टेरोन, वृषण द्वारा स्रावित होता है, जो शरीर में होने वाले विभिन्न शारीरिक परिवर्तनों के लिए जिम्मेदार होता है -
शरीर के बाल वितरण
आवाज पर प्रभाव
त्वचा ग्रंथियों द्वारा स्राव में वृद्धि अक्सर मुँहासे के निकलने का कारण बनती है
मांसपेशियों का विकास और वितरण
हड्डियों के विकास में वृद्धि
उपापचय दर में वृद्धि
लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन में वृद्धि
लिंग और अंडकोश का आकार बढ़ना
शुक्राणुओं का निर्माण
लड़कियों में, अंडाशय महिला सेक्स हार्मोन जैसे एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन को स्रावित करना शुरू कर देते हैं जो किशोर लड़की के शरीर में होने वाले विभिन्न शारीरिक परिवर्तनों के लिए जिम्मेदार होते हैं -
शरीर के बालों का वितरण
कोमल और चिकनी त्वचा
शरीर में चर्बी का बढ़ना
चयापचय दर में मामूली वृद्धि
प्रोटीन जमाव में थोड़ी वृद्धि
हड्डियों में कैल्शियम के जमाव में वृद्धि और हड्डियों के विकास में वृद्धि
स्तन ऊतक का विकास
सभी प्रजनन अंगों के आकार में वृद्धि - आंतरिक और बाहरी
मासिक धर्म (मेनार्चे) की शुरुआत।
The approximate age of puberty among students is 12 - 19 years of age.
In boys, the male hormone testosterone, secreted by the testes is responsible for the various physical changes taking place in the body -
Body hair distribution
Effect on the voice
Increased secretions by skin glands often lead to acne formation
Muscle development and distribution
Increased bone growth
Increased metabolic rate
Increased production of red blood cells
Increased size of penis and scrotum
Production of sperms
In girls, the ovaries start secreting the female sex hormones viz., estrogen and progesterone that are responsible for the various physical changes taking place in the body of the adolescent girl -
Body hair distribution
Soft and smooth skin
Increased fat deposition in the body
Slight increase in metabolic rate
A small increase in protein deposition
Increased deposition of calcium in bones and increased bone growth
Development of breast tissue
Increase in size of all reproductive organs – internal as well as external
Initiation of menstruation (menarche).
Ques 132. ANS (D) Solution:
इसकी खोज रूसी शरीर विज्ञानी इवान पावलोव ने की थी।
इसमें तटस्थ उद्दीपन को स्वाभाविक उद्दीपक के साथ जोड़ना शामिल है।
यह स्वाभाविक अनुक्रिया को उत्प्रेरित करता है जैसे कि एक तटस्थ उद्दीपक एक अनुकूलित उद्दीपक बन जाएगा जो मूल स्वाभाविक अनुक्रिया के समान एक स्वाभाविक अनुक्रिया को उत्प्रेरित करेगा।
स्वाभाविक उद्दीपक (UCS) एक जीव में स्वाभाविक अनुक्रिया (UCR) उत्पन्न करता है।
एक उद्दीपक जो कोई अनुक्रिया उत्पन्न नहीं करता है (अर्थात, तटस्थ) स्वाभाविक उद्दीपक से जुड़ा होता है, जिस बिंदु पर इसे अब अनुबंधित उद्दीपक के रूप में जाना जाता है।
अनुबंधन के बाद एक नई अनुबंधित अनुक्रिया (CR) बनाने के लिए अनुबंधित उद्दीपक (CS) को स्वाभाविक उद्दीपक (UCS) के साथ जोड़ा जाता है।
It was discovered by Ivan Pavlov, a Russian physiologist.
It involves pairing a neutral stimulus with an unconditioned stimulus.
It triggers an unconditioned response such that a neutral stimulus will become a conditioned stimulus triggering a conditioned response similar to the original unconditioned response.
The unconditioned stimulus (UCS) produces an unconditioned response (UCR) in an organism.
A stimulus that produces no response (i.e., neutral) is associated with the unconditioned stimulus at which point it now becomes known as the conditioned stimulus.
After Conditioning the conditioned stimulus (CS) has been associated with the unconditioned stimulus (UCS) to create a new conditioned response (CR).
Ques 133. ANS (D) Solution:
मानवतावादी मनोविज्ञान एक दृष्टिकोण है जो लोगों की अपने जीवन को निर्देशित करने की क्षमता पर केंद्रित है। अब्राहम मास्लो को मानवतावादी मनोविज्ञान का संस्थापक माना जाता है।
मानवतावादी मनोवैज्ञानिक मानव व्यवहार को न केवल पर्यवेक्षक की दृष्टि से देखते हैं बल्कि व्यवहार करने वाले व्यक्ति की दृष्टि से भी देखते हैं।
मानवतावादी मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि किसी व्यक्ति का व्यवहार उसकी आंतरिक भावनाओं और आत्म-छवि से जुड़ा होता है।
प्रमुख विशेषताएं स्वतंत्र इच्छा, किसी के भाग्य को चुनने की स्वतंत्रता, आत्म-साक्षात्कार के लिए प्रयास करना और अपनी क्षमता की उपलब्धि हैं।
शिथिलता पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, मानवतावादी मनोविज्ञान लोगों को उनकी क्षमता को पूर्ण करने और उनकी भलाई को अधिकतम करने में मदद करने का प्रयास करता है।

Humanistic psychology is a perspective focused on people's ability to direct their own lives. Abraham Maslow is considered to be the founder of Humanistic Psychology.
Humanistic psychologists look at human behavior not only through the eyes of the observer but through the eyes of the person doing the behavior.
Humanistic psychologists believe that an individual's behavior is connected to his inner feelings and self-image.
The key features are free will, freedom to choose one's destiny, strive for self-actualization, and achievement of one's own potential.
Rather than concentrating on dysfunction, humanistic psychology strives to help people fulfill their potential and maximize their well-being.
Ques 134. ANS (A) Solution:
व्यक्तित्व माप से तात्पर्य किसी व्यक्ति की विशेषताओं के माप से है।
व्यक्तिगत इतिहास व्यक्तित्व मापन की व्यक्तिपरक विधि है।
व्यक्तिपरक पद्धति का अर्थ है कि किस व्यक्ति को यह प्रकट करने की अनुमति है कि वह अपने बारे में क्या जानता है।
इसमें लक्षण, दृष्टिकोण, व्यक्तिगत अनुभव, लक्ष्य, आवश्यकताएं और रुचियां शामिल हैं।
व्यक्तिपरक पद्धति में व्यक्तिगत इतिहास, मामले का इतिहास, साक्षात्कार और प्रश्नावली शामिल हैं।
व्यक्तिगत इतिहास में किसी व्यक्ति के जीवन की घटनाएँ शामिल होती हैं जो उसके जीवन में घटित होती हैं।
उनके जीवन भर के इन अनुभवों में, उनके वर्तमान लक्ष्य हित और दृष्टिकोण शामिल हैं।
व्यक्ति को अपने लिए महत्वपूर्ण अनुभव चुनने की स्वतंत्रता है और ये उसके व्यक्तित्व को प्रकट करते हैं।
Personality measurement refers to the measurement of a person's characteristics. Personal history is the subjective method of personality measurement.
The subjective method means that which individual is permitted to disclose what he knows about himself.
It includes traits, attitudes, personal experiences, aims, needs, and interests.
The subjective method includes personal history, case history, interview, and the questionnaire.
Personal history includes the events of a person's life that occur in their life.
In these experiences throughout his life, his present aims interests, and attitudes are included.
The individual has freedom in selecting experiences that are important to him and these reveal his personality.
Ques 135. ANS (D) Solution:
छात्रों के अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने की रणनीतियाँ इस प्रकार से हैं:
शिक्षक का सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार- शिक्षक को चाहिए कि वह अभ्यार्थियों के प्रति ग्रहणशील रवैया दर्शाए और जब वे अपनी चिंताओं और दृष्टिकोणों के बारे में बताएं तो उनकी बात को अभ्यार्थी सुनें।
छात्रों को आत्म-अनुशासन के लिए प्रेरित करना- शिक्षकों को छात्रों को अपने स्वयं के व्यवहार की स्व-निगरानी के माध्यम से प्रोत्साहित करके उन्हें आत्म-अनुशासन विकसित करने में मदद करनी चाहिए।
मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन- शिक्षक उन मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं जो बच्चों के लिए समस्याग्रस्त हैं।
Strategies for keeping good mental health of students:
Empathetic behavior of the teacher- The teacher should show acquiring attitude towards the learners and listen to them when they tell about their concerns and viewpoints.
Motivating students for self-discipline- Teachers should help students develop self-discipline by encouraging them through self-monitoring their own behaviours.
Organizing guidance program- Teachers can provide guidance on issues that are problematic for the children.
Ques 136. ANS (C) Solution:
विकास के महत्वपूर्ण स्वरूप:
वृद्धि और विकास के दो सिद्धांत हैं या हम कह सकते हैं कि बाल विकास दो दिशाओं एक सिर से पैर तक और दूसरा केंद्र से परिधि तक होता है।
शीर्षगामी विकास: यह प्रदर्शित करता है कि विकास अनुदैर्ध्य दिशा में अर्थात् सिर से पैर तक आगे बढ़ता है। यही कारण है कि एक बच्चा इससे पहले कि वह चलना शुरू कर दे, पहले सिर पर नियंत्रण प्राप्त करता है।
अधोगामी विकास: यह निकट से दूर तथा केंद्र से शरीर के कुछ दूर हिस्सों तक पहुंचता है और फिर पहले छोरों का विकास होता है। इसलिए, विकास के प्रथम चरणों में बच्चा छोटी मांसपेशियों या सूक्ष्म चालक कौशल के बजाय मौलिक मांसपेशियों को विकसित करना शुरू कर देता है।
Predictable Patterns of Development:
There are two principles of growth and development or we can say child development takes place in two directions, one is from the head-to-foot/toe direction and the second is from center to periphery.
The Cephalocaudal Development: It exhibits that the development proceeds in the longitudinal direction i.e. from head to toe. That is the reason why a child first gains control over the head before s/he starts walking.
The Proximodistal Development: It proceeds from near to the distant and from parts of the body near the center develop first then the extremities. Therefore, the child in the earlier stages of development starts developing the fundamental muscles rather than the smaller muscles or fine motor skills.
Ques 137. ANS (A) Solution:
एरिकसन के सिद्धांत के अनुसार किशोरावस्था में विकास के चरणों को, "पहचान बनाम भूमिका भ्रम" विकास की विशेषता के रूप में जाना जाता है।
इस स्तर पर, बच्चे अपनी स्वतंत्रता का पता लगाते हैं और स्वयं की भावना विकसित करते हैं।
अपने और भविष्य के बारे में असुरक्षित और भ्रमित महसूस करें। यदि एक किशोर इस संकट का समाधान करता है, तो निष्ठा की भावना विकसित होगी।
यदि वे हल करने में असमर्थ हैं तो वे पहचान संकट का विकसित करते हैं।
दो विरोधी गुण अहंकार पहचान और भ्रम/प्रसार हैं। जो लोग अहंकार की पहचान विकसित करते हैं, वे विश्वसनीयता का गुण प्राप्त करते हैं, अर्थात यह विश्वसनीय विचार, कारण, नैतिकता, विश्वास और वफादारी का आधार है, जबकि ऐसा करने में असमर्थता - अहंकार भ्रम - अस्वीकृति का एक गुण उत्पन्न करता है।
According to Erikson's theory of stages of development in Adolescence, the "Identity Vs Role confusion" is found as characteristic of development.
At this stage, children explore their independence and develop a sense of self.
Feel insecure and confused about themselves and the future.

If an adolescent resolves this crisis, then a sense of fidelity would develop.
If they are unable to resolve they develop an identity crisis. The two opposing qualities are ego identity and confusion/diffusion. Those who develop ego identity yield the virtue of reliability means it is the basis for reliable thought, reason, morality, trust, and loyalty, while the inability to do so – ego confusion – creates a quality of repudiation.
Ques 138. ANS (C) Solution:
सामाजिक संरचनावाद इस शोध प्रबंध पर आधारित है कि सामाजिक प्रक्रियाएं अधिगम और संज्ञानात्मक विकास पर केंद्रित हैं। यह ज्ञान को एक सामाजिक निर्माण के रूप में मानता है और अधिगम और संज्ञानात्मक विकास के सामाजिक पहलुओं को प्राथमिकता देता है। इनमें से कुछ सामाजिक पहलू भाषा, संस्कृति, दैनिक जीवन के कार्य, भौतिक वस्तुएं, पारस्परिक संपर्क, सहकर्मी संपर्क, उपकरण और प्रतीक हैं।
लचीला पाठ्यक्रम, लचीली समय सारिणी, आकलन का लचीला तरीका,बैठने की व्यवस्था में लचीलापन, अधिगमकर्ताओं का समूह में कार्य करना आदि एक सामाजिक-संरचनावादी कक्षा कक्ष की विशेषताएं हैं।
यह शिक्षार्थियों को नवीन ज्ञान और जानकारी प्राप्त करने में सहज महसूस कराने के लिए एक लोकतांत्रिक वातावरण प्रदान करने पर महत्व देता है। सामाजिक-संरचनावादी कक्षा सहयोगात्मक अधिगम को महत्व देती है जो एक ऐसी स्थिति को संदर्भित करती है जिसमें दो या दो से अधिक लोग एक समूह में एक साथ सीखते हैं या सीखने का प्रयास करते हैं।
उदाहरण के लिए, छात्रों को कक्षा में त्योहार मनाने के अपने अनुभवों पर चर्चा करने और उस पर जानकारी का गठन करने के अवसर देना
यह शिक्षण और अधिगम की एक विद्धि है जिसमें शिक्षार्थी और शिक्षक एक साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण प्रश्न का अन्वेषण करते हैं या एक सार्थक परियोजना बनाते हैं।
Social constructivism is founded on the thesis that social processes are central to learning and cognitive development. It regards knowledge as a social construct and prioritizes the social aspects of learning and cognitive development.
Some of these social aspects are language, culture, everyday practices, material objects, interpersonal interaction, peer interaction, tools, and symbols.
Flexible curriculum, flexible timetables, flexible mode of assessments, flexible seating arrangement, learners working in groups, etc. are characteristics of a Socio-constructivist classroom.
It emphasizes providing students with a democratic environment to make them feel comfortable in acquiring new knowledge and information.
Socio-constructivist classroom lays emphasis on collaborative learning which refers to a situation in which two or more people learn or attempt to learn together in a group.
For example, Giving students the opportunity to discuss their experiences of celebrating festivals in the classroom and building upon that information.
It is a method of teaching and learning in which students and teachers team together to explore a significant question or create a meaningful project.
Ques 139. ANS (C) Solution:
"तरल बुद्धि" अमूर्त और तार्किक चिन्तन की क्षमता को संदर्भित करता है और इसके लिए किसी पूर्व ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती है। यह अमूर्त रूप से चिन्तन और तर्क करने की योग्यता है, साथ ही बिना किसी पूर्व ज्ञान या अनुभव के किसी भी नई समस्या या कार्य को हल करने की योग्यता है।
यह एक नई समस्या का परीक्षण करने में सहायता करता है, उन संबंधों और पैटर्न को समझने में सहायता करता है जो समस्या का आधार हैं और तर्क का उपयोग करके इसे हल करते हैं।
बाल्यावस्था के दौरान व्यक्ति की तरल बुद्धि का तेजी से विकास होता है, लेकिन बाद में वयस्कता में गिरावट आती है।
इसे ब्लॉक डिजाइन, पहेली-सुलझाने, और स्थानिक दृश्यावलोकन के परीक्षणों द्वारा मापा जा सकता है।
तरल बुद्धि (Gf) के उपाय हैं- द कैटेल कल्चर फेयर आईक्यू टेस्ट और द रेवेन्स प्रोग्रेसिव मैट्रिसेस आदि।
"Fluid intelligence" refers to the ability for abstract and logical thinking and does not require any previous knowledge. It is the ability to think and reason abstractly, as well as solve any new problem or task without any prior knowledge or experience.
It helps one to examine a novel problem, perceive the relationships and patterns that underlie the problem and solve it using logic.
The fluid intelligence of an individual increases rapidly during childhood, but declines in later adulthood.
It can be measured by tests of puzzle-solving, and spatial visualization. and block designs.
The measures of fluid intelligence(Gf) are- The Cattell Culture Fair IQ tests and The Raven's Progressive Matrices.
Ques 140. ANS (D) Solution:
There are five main cognitive processes:
Attention: Attention is focusing of consciousness on a particular object. The span of attention varies from individual to individual and depends on various factors.
Perception: Perception is a process of selecting, organizing, and interpreting sensory information based on previous experiences, others' experiences, need, or expectations.
Learning: It is a "relatively permanent change in behavior (or behavior potential) resulting from experience.
Memory: It refers to the ability to retain information and reproducing it over a period of time when required to perform a cognitive task.
Thinking: Thinking is a higher mental process. It is a problem-solving process in which we use ideas or symbols in place of overt activity.
पाँच मुख्य संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ निम्नलिखित हैं:
ध्यान: ध्यान किसी विशेष वस्तु पर चेतना का ध्यान केंद्रित करना है। ध्यान की अवधि अलग-अलग व्यक्तियों में भिन्न होती है और विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है।
धारणा: धारणा पिछले अनुभवों, दूसरों के अनुभवों, जरूरतों या अपेक्षाओं के आधार पर संवेदी जानकारी को चुनने, व्यवस्थित करने और व्याख्या करने की एक प्रक्रिया है।
अधिगम: यह "अनुभव के परिणामस्वरूप व्यवहार (या व्यवहार क्षमता) में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन है।
स्मृति: यह एक संज्ञानात्मक कार्य को करने के लिए आवश्यक समय की अवधि में जानकारी को बनाए रखने और इसे पुन: उत्पन्न करने की क्षमता को संदर्भित करता है।

विचार (चिंतन): सोचना एक उच्च मानसिक प्रक्रिया है। यह एक समस्या-समाधान प्रक्रिया है जिसमें हम प्रत्यक्ष गतिविधि के स्थान पर विचारों या प्रतीकों का उपयोग करते हैं।

Ques 141. ANS (C) Solution:

ग्राहम वालेस (1926) ने सृजनात्मक विचार प्रक्रिया को चार चरणों में वर्गीकृत किया:

तैयारी: इसमें परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से हल करने के लिए एक समस्या के बारे में जानकारी एकत्र करना, व्यक्तिगत अनुभवों को याद करना और सभी संभावित दिशाओं में जांच करना शामिल है।

उद्भवन: यह एक धीमी प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अचेत हो जाता है और समस्या को दर्शाता है। इस चरण में, व्यक्ति अप्रासंगिक जानकारी या असफल प्रयासों को भूल जाते हैं और कार्य को प्रभावी ढंग से करते हैं।

प्रदीपन: यह वह चरण है जब व्यक्ति सबसे अधिक सक्रिय और सचेत होता है। इस चरण में है समस्या के बारे में एक अंतर्दृष्टि अचानक अनुभव की जाती है और एक नया विचार या समाधान सामने आता है।

सत्यापन: इस चरण में नए संबंधों को जोड़कर या घटाकर या बनाकर पिछले चरण में पहुंचे समाधान में संशोधन शामिल हो सकते हैं। प्राप्त अंतिम समाधान वास्तविकता में किया गया परीक्षण है। यदि समस्या पर समाधान लागू नहीं होता है, तो पूरी प्रक्रिया को दोहराया जाता है।

Graham Wallas (1926) outlined the creative thinking process into four stages:

Preparation: It involves collecting information regarding a problem in order to solve it through trial and error, recalling personal experiences, and investigating in all possible directions.

Incubation: It is a slow process in which the individual sinks into the unconscious and reflects on the problem. In this stage, individuals forget irrelevant information or unsuccessful attempts and engage with the task effectively.

Illumination: It is the stage the individual is most active and conscious. It is in this stage that an insight to the problem is experienced suddenly and a new idea or solution emerges.

Verification: This stage might involve modifications to the solution reached in the previous stage by adding or subtracting, or making new connections. The final solution achieved is tested in reality. If the solution does not apply to the problem then the whole process is repeated.

Ques 142. ANS (B) Solution:

शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत:

यह इवान पावलोव द्वारा प्रस्तावित किया गया था। शास्त्रीय अनुबंधन के अनुसार, हम विभिन्न उद्दीपकों के बीच संबंध और साहचर्य बनाकर सीखते हैं। शास्त्रीय अनुबंधन के दौरान, जीव विभिन्न उद्दीपकों के बीच संबंधों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं, न कि उनके बीच सरल जुड़ाव के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं।

इस सिद्धांत में अधिगम के विषय हमेशा किसी प्रकार की स्वचालित, अनैच्छिक या प्रतिक्रियात्मक प्रतिक्रियाएं होती हैं जैसे हृदय गति, लार, उल्टी, छात्र प्रसार इत्यादि।

उद्दीपक-अनुक्रिया सिद्धांत

यह एडवर्ड थार्नडाइक द्वारा प्रस्तावित किया गया था, जो मानते थे कि अधिगम दो चीजों उद्दीपक, और अनुक्रिया तक जाता है। यह एक सिद्धांत है जो प्रस्तावित करता है कि सभी अधिगम में मुख्य रूप से उद्दीपक और अनुक्रिया के बीच संबंधों को मजबूत करना शामिल है।

उनके अनुसार, अधिगम उद्दीपक (लीवर की उपस्थिति) और अनुक्रिया (लीवर को दबाने) के बीच संबंध से होता है। मुख्य रूप से ये सिद्धांत बुद्धिमानी से बदलाव किए गए पुनर्बलन के साथ सीखने की सुविधा के लिए एक अनुकूल और सहायक वातावरण प्रदान करने पर जोर देते हैं।

क्रिया-प्रसूत अनुबंधन सिद्धांत:

स्किनर ने उद्दीपक-अनुक्रिया संबंध और पुनर्बलन से संबंधित एक क्रिया-प्रसूत अनुबंधन सिद्धांत का प्रचार किया। उनके विचार में, अधिगम व्यवहार में बदलाव है। जैसे-जैसे शिक्षार्थी सीखता है, बदले हुए व्यवहार के संदर्भ में उसकी प्रतिक्रियाएँ बढ़ती जाती हैं।

इसलिए, अधिगम औपचारिक रूप से उनके द्वारा प्रतिक्रिया की संभावना में बदलाव के रूप में परिभाषित किया गया है। क्रिया-प्रसूत अनुबंधन सिद्धांत एक सीखने की शक्ति है जो प्रतिक्रिया के तुरंत बाद एक मजबूत प्रोत्साहन प्रदान करके वांछित प्रतिक्रिया को अधिक बार प्रभावित करती है।

Classical Conditioning Theory:

It was proposed by Ivan Pavlov. According to classical conditioning, we learn by making associations and relationships among various stimuli. During classical conditioning, organisms acquire information about the relations between various stimuli, not simple associations between them.

The subjects of learning in this theory are always some kind of automatic, involuntary or reflexive responses such as heart rate, salivation, vomiting, pupil dilatation, etc.

Stimulus-Response Theory

It was proposed by Edward Thorndike, who believed that learning boils down to two things: stimulus, and response. It is a theory that proposes that all learning consists primarily of the strengthening of the relationship between the stimulus and the response.

According to him, learning is by the association between the stimulus (presence of the lever) and the response (pressing the lever). Mainly these theories emphasize providing a conducive and supporting environment to facilitate learning with intelligently manipulated reinforcements.

Operant Conditioning Theory:

Skinner propagated an operant conditioning theory related to the stimulus-response relationship and reinforcement. In his view, learning is a change in behavior. As the learner learns, his\her responses in terms of changed behavior increase.

Learning is, therefore, formally defined by him as a change in the likelihood or probability of a response. Operant conditioning is a learning force that affects the desired response more frequently by providing a reinforcing stimulus immediately following the response.

Ques 143. ANS (B) Solution:

हेनरी क्ले लिण्डग्रेन बताते हैं कि शैक्षिक मनोविज्ञान का संबंध शिक्षार्थी को समझने, सीखने की प्रक्रिया और सीखने की स्थिति से है।

शिक्षार्थी (अधिगमकर्ता): शिक्षार्थी तीन तत्वों में सबसे महत्वपूर्ण है, न केवल इसलिए कि लोग प्रक्रियाओं या स्थितियों से अधिक महत्वपूर्ण हैं, बल्कि मुख्य रूप से इसलिए भी कि शिक्षार्थी के बिना कोई अधिगम नहीं होता है।

अधिगम प्रक्रिया: अधिगम प्रक्रिया से हमारा अर्थ है कि जब लोग सीखते हैं तो वे क्या करते हैं। वे जो 'करते हैं' में वह व्यवहार शामिल है जो प्रत्यक्ष रूप से देखने योग्य नहीं है, जैसे कि समझना, सोचना, याद रखना और पहचानना; साथ ही वह व्यवहार जिसे प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है, जैसे लिखना, गणना करना, भाग लेना और बात करना।

अधिगम परिस्थिति: यह उस वातावरण को संदर्भित करता है जिसमें

शिक्षार्थी स्वयं को पाता है, और जिसमें अधिगम प्रक्रिया होती है। इसमें कारक या शर्तें शामिल हैं जो शिक्षार्थी और अधिगम प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। एक तत्व शिक्षक है और दूसरा कक्षा विन्यास (वायुसंचार, प्रकाश, शोर और सीटों की व्यवस्था, और अन्य) है।

Henry Clay Lindgren points out that educational psychology is concerned with understanding the learner, the learning process, and the learning situation.

The Learner: The learner is the most important of the three elements, not only because people are more important than processes or situations but also primarily because without the learner, there is no learning.

The Learning Process: By learning process, we mean whatever people do when they learn. What they 'do' includes behavior that is not directly observable, such as perceiving, thinking, remembering, and identifying; as well as the behavior that can be directly observed, such as writing, computing, attending, and talking.

The Learning Situation: It refers to the environment in which the learner finds himself/herself, and in which the learning process takes place. It includes factors or conditions that affect the learner and the learning process. The teacher is one element and another is the classroom setting (ventilation, light, noise and arrangement of seats, and so on).

Ques 144. ANS (B) Solution:

सामान्य शिक्षार्थी वे छात्र हैं जो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ दिखाई देते हैं और सीखने की सामान्य प्रक्रिया में समायोजित होते हैं। इन बच्चों में औसत या औसत से ऊपर गुण होते हैं।

अधिगम अक्षमता एक विकासात्मक विकार है, जो बच्चों के स्कूल जाने पर स्पष्ट हो जाता है। अपनी औसत या उससे भी अधिक औसत बुद्धि और पर्याप्त स्कूली शिक्षा के बावजूद, ये बच्चे अपने शैक्षणिक कौशल में पिछड़ जाते हैं।

इन बच्चों को बुनियादी मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं, जैसे ध्यान, धारणा, स्मृति, तार्किक सोच, और इसी तरह की निगरानी में मूलभूत कठिनाइयाँ हैं। हालांकि, नैदानिक लेबलिंग से पहले, किसी को अन्य विकास संबंधी विकारों की संभावना को बाहर करना चाहिए जैसे कि मानसिक मंदता, अवधारणात्मक समस्याएं जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि, श्रवण या चालक अक्षमता, भावनात्मक विकार, मानसिक मंदता, वैश्विक विकास में देरी से हानि होती है; न ही यह पर्यावरणीय कारकों जैसे अभाव, दुर्व्यवहार, या खराब स्कूली शिक्षा, प्रेरणा की कमी, सांस्कृतिक या आर्थिक नुकसान और भाषाई विविधता के कारण होना चाहिए।

Normal learners are those students who appear physically and mentally healthy and adjust to the normal process of learning. These children have average or above-average qualities.

Learning disability is a developmental disorder which becomes conspicuous when children go to school. In spite of their average or even above-average intelligence and adequate schooling, these children lag behind in their academic skills.

These children have fundamental difficulties in the monitoring of basic psychological processes, such as attention, perception, memory, logical thinking, and so on. However, before giving diagnostic labeling, one must exclude the possibility of other developmental disorders such as mental retardation, perceptual problems resulting primarily from impairments in vision, hearing or motor disabilities, emotional disorders, mental retardation, global developmental delay; nor should it be due to environmental factors such as deprivation, abuse, or poor schooling, lack of motivation, cultural or economic disadvantage and linguistic diversity.

Ques 145. ANS (B) Solution:

सामाजिक क्षेत्र में, किशोर अपने पारस्परिक संबंधों में बहुत सारे परिवर्तनों से गुजरते हैं और वे समाज और उसके विविध प्रभावों को भी समझने लगते हैं।

किशोरों के लिए शरीर की छवि एक बहुत ही महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन जाती है। एक उपयुक्त आकृति का होना लगभग हर एक किशोर के विचार की स्थिति होती है, इसलिए वे महसूस करते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति उन्हें देख रहा है और वे सचेत हो जाते हैं।

एक सहकर्मी समूह के एक लोकप्रिय सदस्य के रूप में पहचाना जाना एक महत्वपूर्ण किशोर कीआवश्यकता होती है।

किशोर अक्सर अपने माता-पिता और बड़ों के साथ बहस में पड़ जाते हैं क्योंकि वे अपने नियंत्रण से अलग होना चाहते हैं।

किशोर भी अपनी समझ के आधार पर समाज के बारे में विश्वास, राय, दृष्टिकोण और रूढ़ियों को प्राप्त करना शुरू कर देते हैं।

In the social sphere, adolescents undergo a lot of changes in their interpersonal relationships and they also begin to understand society and its diverse influences.

Body image becomes a very important concern for adolescents. Having an appropriate figure is almost a teenage obsession so feel that everybody is looking at them and they become conscious.

Being recognized as a popular member of a peer group is an important adolescent need.

Adolescents often get into arguments with their parents and elders since they want to break away from their control.

Adolescents also begin to acquire beliefs, opinions, attitudes, and stereotypes about a society based on their understanding.

Ques 146. ANS (A) Solution:

जब एक शिक्षक एक बहु-संवेदी दृष्टिकोण को शामिल करके विषय सामग्री को विभिन्न तरीकों से प्रस्तुत करता है जिसमें दृश्य, श्रवण, गंध और स्पर्श शामिल होता है और उनकी रुचि और प्रेरणा का भी ध्यान रखता है तो यह कक्षा में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों सहित सभी प्रकार के शिक्षार्थियों की मदद करता है। जिसके परिणामस्वरूप सबसे प्रभावी शिक्षण होता है।

प्रभावी निर्देशों को छात्रों के विविध समूह की विशेषताओं के साथ-साथ प्रत्येक छात्र की अनूठी ताकत और आवश्यकताओ के अनुरूप सटीक रूप से तैयार करने की आवश्यकता होती है।

When a teacher presents the subject content in different ways by involving a multi-sensory approach which includes visual, auditory, smell, and touch and also takes care of their interest and motivation it helps all types of learners including children with special

needs in the classroom resulting in the most effective teaching.

Effective instructions need to respond to the characteristics of a diverse group of students as well as be precisely tailored to the unique strengths and needs of each student.

Ques 147. ANS (D) Solution:

भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षणिक मुद्दों वाले बच्चों की मदद करने के लिए स्कूल मनोवैज्ञानिक शैक्षिक प्रणाली के अंतर्गत कार्य करते हैं। स्कूल मनोविज्ञान का लक्ष्य माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों के साथ मिलकर एक स्वस्थ अधिगम के माहौल को बढ़ावा देना है जो बच्चों की आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करता है।
विचार के विभिन्न प्रारंभिकस्कूल: संरचनावाद, गेस्टाल्ट मनोविज्ञान, प्रकार्यवाद, व्यवहारवाद, और मनोविश्लेषण।इनमे से कुछ को नीचे परिभाषित किया गया है
संरचनावाद: संरचनावाद के अनुसार मनोविज्ञान की परिभाषा इस प्रकार है - "मनोविज्ञान आत्मनिरीक्षण के माध्यम से सामान्यीकृत वयस्क सामान्य मानव मस्तिष्क का विश्लेषणात्मक अध्ययन है।"
संरचनावाद, जर्मनी में स्थापित एक व्यवस्थित आंदोलन को एक उच्च विकसित आत्मनिरीक्षण मनोविज्ञान के रूप में माना जा सकता है, जिसे एडवर्ड ब्रैडफोर्ड टिचनर के काम द्वारा अपने अंतिम अमेरिकी रूप में दर्शाया गया था। 1898 में, अपने दृष्टिकोण को दूसरों से अलग करने के लिए, टिचनर ने संरचनात्मक मनोविज्ञान या संरचनावाद नाम दिया
संरचनावाद ने इस बात पर जोर दिया कि मनोवैज्ञानिक अनुसंधान की विषय वस्तु में चित्र, विचार और भावनाएँ शामिल हैं, जो चेतना की संरचना का निर्माण करने वाले तत्व हैं। संरचनावादियों का लक्ष्य उन इकाइयों, या तत्वों को खोजना था, जो मस्तिष्क का निर्माण करते हैं।
संरचनावाद के निम्नलिखित उद्देश्य थे:
चेतना के घटकों का मूल तत्वों के रूप में वर्णन करना।
यह वर्णन करने के लिए कि इन मूल तत्वों को कैसे जोड़ा जाता है।
चेतना के तत्वों के तंत्रिका तंत्र (अर्थात, शारीरिक प्रक्रियाओं) के संबंध की व्याख्या करना।
इस प्रकार, मनोविज्ञान के संरचनावाद स्कूल का मानना था कि मनोविज्ञान का उचित विषय चेतना की सामग्री का अध्ययन करना था।
School psychologists work within the educational system to help children with emotional, social, and academic issues.
The goal of school psychology is to collaborate with parents, teachers, and students to promote a healthy learning environment that focuses on the needs of children.
Various early schools of thought: Structuralism, Gestalt Psychology, Functionalism, Behaviourism, and Psychoanalysis. some of them are defined below:
Structuralism: The definition of psychology, according to structuralism is as follows - “psychology is the analytic study of the generalized adult normal human mind through introspection.”
Structuralism, a systematic movement founded in Germany, can be thought of as a highly developed introspective psychology, which was represented in its final American form by the work of Edward Bradford Titchener. In 1898, to differentiate his perspective from the others, Titchener came up with the name structural psychology or structuralism
Structuralism emphasised that the subject matter of psychological research consists of images, thoughts, and feelings, which are the elements, forming the structure of consciousness. The goal of the structuralists was to find the units, or elements, which make up the mind.
Structuralism had the following aims:
To describe the components of consciousness in terms of basic elements.
To describe how these basic elements are combined.
To explain the connections of the elements of consciousness to the nervous system (i.e., physical processes).
Thus, the Structuralism School of psychology believed that the proper subject matter of psychology was the study of the contents of consciousness.
Ques 148. ANS (A) Solution:
गोलेमैन के अनुसार 'दूसरों को समझने' का कौशल भावनात्मक बुद्धि के सामाजिक अनुबंध आयाम के अंतर्गत आता है।
गोलेमैन ने भावनात्मक बुद्धि को एक व्यक्ति की अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने और उन्हें स्वस्थ और उत्पादक तरीके से व्यक्त करने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया।
गोलेमैन की राय में, कार्यस्थल में सफलता का सबसे महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता भावनात्मक बुद्धि है।
गोलेमैन इसे "अपने स्वयं के, अन्य लोगों और सामूहिक भावनाओं को पहचानने, मूल्यांकन करने और विनियमित करने की क्षमता" के रूप में वर्णित किया है।
गोलेमैन ने कर्मचारीयों के भावनात्मक बुद्धिमत्ता स्तरों का मूल्यांकन करने और विकास के अवसरों को इंगित करने के लिए एक प्रदर्शन-आधारित भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EQ) प्रतिरूप बनाया।
इस प्रकार, यह हमारे लिए स्पष्ट है कि गोलेमैन के विचार में "दूसरों को समझने" की क्षमता, भावनात्मक बुद्धि के सामाजिक अनुबंध आयाम के अंतर्गत आती है।
According to Goleman, the skill of ‘understanding others’ comes under the social contract dimension of emotional intelligence.
Goleman defined emotional intelligence as a person's capacity to control their emotions and express them in a healthy and productive way.
The most significant predictor of success in the workplace, in Goleman's opinion, is emotional intelligence.
Goleman describes it as "the capacity to recognize, evaluate, and regulate one's own, other people's, and collective emotions."
Goleman created a performance-based emotional intelligence (EQ) model to evaluate employee emotional intelligence levels and pinpoint growth opportunities.
Thus, it is clear to us the ability to "understand others," in Goleman's view, falls under the social contract dimension of emotional intelligence.
Ques 149. ANS (A) Solution:
सामाजिक उद्देश्य जैसे शक्ति, संबद्धता, उपलब्धि और अनुमोदन की आवश्यकता से सीखे गए उद्देश्य होते हैं और ये सामाजिक उद्देश्य अन्य लोगों को शामिल करते हैं।
उपलब्धि का तात्पर्य किसी कार्य को प्राप्त करने या पूरा करने की आवश्यकता और अन्य लोगों से आगे निकलने से है।
संबद्धता का तात्पर्य मित्र बनाने कि आवश्यकता और दूसरों को सहयोग करने से है।
शक्ति दूसरों को नियंत्रित करने और प्रभावित करने, शक्ति प्राप्त करने या कुछ ऐसा करने की आवश्यकता जो व्यक्ति को शक्तिशाली और मजबूत महसूस कराती है।
आक्रामकता से तात्पर्य दूसरे से लड़ने और बदला लेने, नीचा दिखाने या अपशब्द कहना या उपहास करने से है।
किसी की समस्या या बीमार होने पर दूसरों की मदद करना दूसरों की देखभाल करने की आवश्यकता को ही पोषण कहते हैं।
Social motives such as the need for power, affiliation, achievement, and approval are learned motives and involve other people.

Achievement refers to the need to achieve or accomplish a task and surpass other people.
Affiliation implies the need to make friends and seek cooperation with others.
Power is the need to control and influence others, to gain power, or do something that makes a person feel powerful and strong.
Aggression refers to the need to fight and take revenge, to belittle or curse or ridicule the other.
Nurturance is the need to take care of others and help others when they are in a problem or are sick.
Ques 150. ANS (D) Solution:
सोच के प्रकार-
भिन्न सोच- इसमें विषय के विभिन्न पहलुओं में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एक विषय को विभिन्न घटक भागों में तोड़ना शामिल है।
रचनात्मक सोच- नए और नवीन विचारों या वस्तुओं को बनाने में शामिल सोच रचनात्मक सोच है। इसमें कुछ नया बनाने के लिए मौजूदा उद्दीपनों को पुनर्व्यवस्थित करना शामिल है।
निगमनात्मक सोच- इस सोच के अनुसार यह तार्किक रूप से आवश्यक है कि यदि प्रस्तावना में सभी सत्य हैं तो निष्कर्ष भी ऐसा ही होता है। यदि निगमनात्मक तर्क का सही और शुद्ध उपयोग किया जाता है, तो सटीक बिंदु या तर्क सटीक निष्कर्ष या परिणाम की ओर ले जाएंगे।
तार्किक सोच- यह वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लगातार तर्क का उपयोग करता है।
Types of thinking-
Divergent thinking- It involves breaking a topic down into various component parts in order to gain insight into the various aspects of the topic.
Creative thinking- It is the thinking involved in creating new and novel ideas or objects. It involves rearranging the existing stimuli to create something new.
Deductive thinking- It claims that it's logically necessary that if the premises are all true then so is the conclusion. If deductive logic is used accurately and correctly, accurate points or arguments will lead to an accurate conclusion or result.
Logical thinking- It is the process in which one uses reasoning consistently to come to a conclusion.
Ques 151. ANS (D) Solution:
शिक्षा के द्वारा संस्कृति की निरन्तरता बनाये रखने में सहायता मिलती है, संस्कृति के हस्तान्तरण में, संस्कृति के परिष्करण में, संस्कृति के विस्तारण आदि में शिक्षा महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
Education helps in maintaining continuity of culture, education plays an important role in transfer of culture, refinement of culture, expansion of culture etc.
Ques 152. ANS (D) Solution:
बाद के रिश्तों के लिए पूर्वाभ्यास अग्रिम समाजीकरण कहलाता है। अग्रिम समाजीकरण की अवधारणा को सर्वप्रथम समाजशास्त्री राबर्ट के. मेरटॉन द्वारा परिभाषित किया गया था।
Rehearsal for later relationships is called anticipatory socialization. The concept of advance socialization was first introduced by sociologist Robert K. Was defined by Merton.
Ques 153. ANS (A) Solution:
यदि एक पाठ्यपुस्तक ने लड़कों को बुद्धिमान और प्रमुख पात्र, जबकि लड़कियों को नम्र और भावनाात्मक रूप से चित्रित किया है, तो यह कथन लिंगरूढ़िवादिता का उदाहरण है। समाज की संरचना पुरुष और स्त्रियों से मिलकर बनती है। ये परस्पर क्रिया और प्रतिक्रिया करके सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करते हैं। समाज की परम्परा के अनुसार प्रत्येक स्त्री और पुरुष की निश्चित भूमिकाएँ समाज के परम्परा के अनुसार लिंगभेद पर आधारित होती हैं तथा असमान होती हैं। इसीलिए इसे लैंगिक रूढ़िवादिता से जोड़कर देखा जाता है, जो किसी समाज के गतिहीनता की दर्शाता है।
If a textbook portrayed boys as intelligent and dominant, while girls were portrayed as submissive and emotional, this statement is an example of a gender stereotype. The structure of society consists of men and women. These interact and react to form a social system. According to the tradition of the society, the fixed roles of every man and woman are based on gender discrimination and are unequal. That is why it is seen to be linked to gender stereotypes, which reflects the stagnation of a society.
Ques 154. ANS (D) Solution:
जब किसी कार्य के लिए पुरुष या महिला विशेष को अतार्किक ढंग से अधिकृत कर दिया जाता है तो इसे लिंग रूढ़िबद्धता कहा जाता है। यह सामान्यत: विद्यालयों, संस्थाओं, कार्यशालाओं या प्रयोगशालाओं में देखने को मिल जाता है, जो अनुचित व असामाजिक है।
When a particular man or woman is illogically authorized to do any work, it is called gender stereotyping. This is generally seen in schools, institutions, workshops or laboratories, which is inappropriate and anti-social.
Ques 155. ANS (C) Solution:
बच्चों में जेंडर रूढ़िवादिता एवं जेंडर-भूमिका अनुरूपता को कम करने के लिए जेंडर-पक्षपात के बारे में परिचर्चा करना सबसे प्रभावशाली तरीका हो सकता है। जब छात्र किसी विषय-वस्तु पर परिचर्चा करते हैं तो उसमें निहित अवधारणाओं को अच्छी तरह समझते हैं तथा उस पर चिंतन करते हैं इससे उनकी अवधारणाएँ स्पष्ट हो जाती हैं।
Discussing gender bias can be the most effective way to reduce gender stereotypes and gender-role conformity among children. When students discuss any subject matter, they understand the concepts contained in it well and reflect on it, this makes their concepts clear.
Ques 156. ANS (A) Solution:
टरमैन ने वर्ष 1916 के स्टैनफोर्ड बिने परीक्षण के आधार पर 90-110 बुद्धि लब्धि वाले बालकों को 'सामान्य बुद्धि' के अंतर्गत रखा है। इनकी संख्या सामान्यत: 50% होती है।
Based on the Stanford Binet test of 1916, Terman has placed children with an IQ of 90-110 under 'normal intelligence'. Their number is usually 50%.
Ques 157. ANS (C) Solution:
उचित सिद्धांत चित्र के द्वारा किसी भी प्रकरण को आसानी से समझ व व्यवस्थित किया जा सकता है इसके अंतर्गत किसी भी अवधारणा को छोटी-छोटी उप-अवधारणाओं में बाँट दिया जाता है। जिसके द्वारा सूचना को व्यवस्थित व तर्वâ पूर्ण ढंग से समझाया जा सकता है।
Any topic can be easily understood and organized through a proper conceptual diagram, under which any concept is divided into small sub-concepts. Through which information can be explained in a systematic and complete manner.
Ques 158. ANS (D) Solution:
आगमनात्मक तर्क के स्तरों के अन्तर्गत अवलोकन, प्रयोग तथा सामान्यीकरण शामिल है परन्तु कल्पना शामिल नहीं है।

The levels of inductive reasoning include observation, experiment and generalization but do not include imagination.

Ques 159. ANS (D) Solution:

बालक का चिंतन निम्न द्वारा प्रदर्शित होती है- 1. आत्मकेन्द्रिकता 2. सजीवतावाद 3. यथार्थवाद वैयक्तिकवाद से बालक का चिंतन नहीं प्रदर्शित होता है। वैयक्तिकवाद एक नैतिक राजनैतिक एवं सामाजिक दर्शन है जो व्यक्ति के स्वतंत्रता एवं आत्मनिर्भरता पर बल देता है।

The child's thinking is reflected in the following- 1. Egocentrism 2. Animism 3. Realism Individualism does not reflect the thinking of the child. Individualism is a moral, political and social philosophy that emphasizes the freedom and self-reliance of the individual.

Ques 160. ANS (B) Solution:

यदि कोई बच्चा तर्क प्रस्तुत करता है कि हिंज को दवाई की चोरी नहीं करनी चाहिए (वह दवाई जो उसकी पत्नी की जान बचाने के लिए जरूरी है), क्योंकि यदि वह ऐसा करता है तो उसे पकड़ा जायेगा और जेल भेज दिया जायेगा। कोह्लबर्ग के अनुसार वह बच्चा नैतिक समझ की दण्ड एवं आज्ञापालन अभिविन्यास के अंतर्गत आता है। दण्ड तथा आज्ञापालन अभिविन्यास के अंतर्गत बालक बड़े व्यक्तियों अथवा अधिकार सम्पन्न व्यक्तियों के द्वारा दिये जाने वाले दण्ड से बचने के प्रति चिंतित रहते हैं। वे नियमों तथा उनको तोड़ने से होने वाले दुष्परिणामों को समझते हैं। किसी कार्य के करने पर होने वाले स्थूल परिणाम उस कार्य को अच्छा या बुरा निर्धारित करते हैं।

If a child argues that Hinge should not steal the medicine (the medicine which is necessary to save his wife's life), because if he does he will be caught and sent to jail. According to Kohlberg, the child comes under punishment and obedience orientation of moral understanding. Under punishment and obedience orientation, children are concerned about avoiding punishment given by elders or people in authority. They understand the rules and the consequences of breaking them. The physical consequences of doing any work determine whether that work is good or bad.

Ques 161. ANS (B) Solution:

शिक्षक, शिक्षण–अधिगम सामग्री का प्रयोग अधिगम को अर्थपूर्ण बनाने के लिए करते हैं। शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग प्रभावी शिक्षण तथा रुचिकर अधिगम के लिए किया जाता है। शिक्षण अधिगम सामग्री से शिक्षण में केवल सरलता ही नहीं आती वरन् नवीनता का भी समावेश होता है। शिक्षक द्वारा इसके प्रयोग से शिक्षण में एकाग्रता आती है और कक्षागत अनुशासन की समस्या अपने आप हल हो जाती है।

Teachers use teaching-learning materials to make learning meaningful. Teaching learning materials are used for effective teaching and interesting learning. Teaching learning material not only makes teaching easier but also adds innovation. Its use by the teacher brings concentration in teaching and the problem of classroom discipline is automatically solved.

Ques 162. ANS (D) Solution:

श्रव्य-दृश्य सहायक सामग्री का मुख्य उद्देश्य है – अधिगम अनुभव के कुछ पक्षों को स्पष्ट करना। कक्षा-कक्ष शिक्षण हेतु विभिन्न श्रव्यदृश्य सहायक उपकरणों का उपयोग किया जाता है। इनके उपयोग से शिक्षक को शिक्षण में सहायता मिलती है। साथ ही विद्यार्थी भी विषय का ज्ञान प्रभावी ढंग से प्राप्त कर पाते हैं और उसका प्राप्त ज्ञान भी अधिक स्थायी रहता है।

The main purpose of audio-visual aids is to clarify some aspects of the learning experience. Various audio-visual aids are used for classroom teaching. Their use helps the teacher in teaching. Besides, students are also able to acquire knowledge of the subject effectively and the knowledge gained also remains more permanent.

Ques 163. ANS (A) Solution:

कहानियाँ कक्षा थिएटर के लिए आसान पाठ्य–सामग्री है। शिक्षण में थियेटर (नाट्य संयोजन) कोई नया विषय नहीं है बल्कि इसे शिक्षण का अभिन्न और अनिवार्य विषय कहा जाये तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इसी प्रकार कहानी भी थिएटर का अभिन्न अंग है। कहानियाँ थिएटर को जीवंतता प्रदान करती हैं और थिएटर शिक्षण को।

Stories are easy material for classroom theatre. Theater (dramatic composition) is not a new subject in teaching, but it would not be an exaggeration if it is called an integral and essential subject of teaching. Similarly, story is also an integral part of theatre. Stories provide vibrancy to theater and to theater teaching.

Ques 164. ANS (B) Solution:

किसी विषय के अध्यापन के एक पक्ष के रूप में उद्देश्यों की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं– (i) उद्देश्य तात्कालिक तथा प्राप्य होते हैं। (ii) उद्देश्य विषयवस्तु के चयन के लिए सन्दर्भ प्रदान करते हैं। (iii) उद्देश्य सम्भावित उपलब्धि के साध्य बिन्दु होते हैं। ''उद्देश्य व्यापक और सामान्य होते हैं।'' यह कथन किसी विषय के अध्यापन के एक पक्ष के रूप में उद्देश्यों से सम्बन्धित नहीं है।

Objectives as an aspect of teaching of a subject have the following characteristics – (i) Objectives are immediate and attainable. (ii) Objectives provide context for selection of subject matter. (iii) Objectives are attainable points of possible achievement. "Objectives are broad and general." This statement does not relate to objectives as an aspect of teaching a subject.

Ques 165. ANS (A) Solution:

'इस इकाई के पूर्ण होने पर शिक्षार्थी कहानी की मुख्य घटनाओं का व्याकरण शुद्ध रूप में संक्षिप्त कर सकेंगे।' यह ज्ञानात्मक उद्देश्य के बोध या समझ स्तर से संबंधित है।

'On completion of this unit, learners will be able to summarize the main events of the story in grammatical form.' This is related to the comprehension or understanding level of the cognitive objective.

Ques 166. ANS (B) Solution:

एडवर्ड ग्लेसर के अनुसार अनकही धारणाओं और मूल्यों को अनदेखा करना महत्वपूर्ण सोच को रेखांकित नहीं करता है। आलोचनात्मक सोच किसी भी विश्वास या ज्ञान के अनुमानित रूप की जाँच करने के लिए लगातार प्रयास करने की माँग करती है, जो सबूतों के प्रभाव में और आगे के निष्कर्षों के लिए जाना जाता है। यह समस्याओं को पहचानने, उन समस्याओं को पूरा करने के लिए व्यवहारिक साधन खोजने, प्रासंगिक जानकारी इक्ट्ठा करने और मार्शल करने, अस्थिर मान्यताओं और मूल्यों को पहचानने, सटीकता, स्पष्टता और वर्गीकरण के साथ भाषा को समझने और उपयोग करने डेटा की व्याख्या करने की क्षमता की आवश्यकता होती है।

According to Edward Glaser, ignoring unspoken assumptions and values does not underpin critical thinking. Critical thinking demands a consistent effort to examine any belief or assumed form of knowledge under the influence of evidence and draw further conclusions. It is the ability to recognize

problems, find practical means to meet those problems, gather and marshal relevant information, recognize unstable beliefs and values, understand and use language with accuracy, clarity, and classification to interpret data. Is required.

Ques 167. ANS (B) Solution:

Ans. (b) : जीवन कौशल अनुकूल तथा सकारात्मक व्यवहार हेतु ऐसी योग्यताएँ है जो व्यक्तियों को दैनिक जीवन की माँगों और चुनौतियों का प्रभावपूर्ण ढंग से सामना करने में समर्थ बनाती है जीवन कौशलों की संख्या 10 है।

Ques 168. ANS (B) Solution:

'तुलना करना, निष्कर्ष निकालना, वस्तुओं और डेटा का वर्गीकरण तथा परीक्षण एवं त्रुटि का उपयोग ये सभी प्रक्रियाएँ समस्या समाधान में शामिल है। समस्या समाधान एक ऐसी विधि है जिसमें बच्चों को इस प्रकार सहायता की जाती है कि वे किसी अवांछित, अप्रिय तथा अरूचिकर स्थिति से एक अभीष्ट वांछित तथा रूचिकर स्थिति की ओर प्रेरित हो।

'Comparing, drawing conclusions, classifying objects and data, and using trial and error are all processes involved in problem solving. Problem solving is a method in which children are helped in such a way that they are motivated to move from an unwanted, unpleasant and unpleasant situation to a desired and interesting situation.

Ques 169. ANS (D) Solution:

किसी विकासशील बच्चे के लिए आवश्यक है कि वह ज्ञान ग्रहण करता रहे उसकी स्मृति बनी रहे तथा उसके आँख और हाथ के मध्य समन्वय बना रहे। विकासशील बच्चों के लिए युक्तिकरण आवश्यक नहीं है।

It is necessary for a developing child to keep acquiring knowledge, maintain his memory and maintain coordination between his eyes and hands. Rationalization is not necessary for developing children.

Ques 170. ANS (A) Solution:

एक बच्चा जो समझता है वह व्यापक रूप से उसके पिछले अनुभवों, धारणाओं मान्यताओं तथा प्रयोजनों का एक कार्य है तो वह कार्य का अधिगम बेहतर करता है।

What a child understands is largely a function of his previous experiences, perceptions, beliefs and intentions, so he learns better.

Ques 171. ANS (B) Solution:

सफल समावेशन में निम्नलिखित बातों का होना आवश्यक है– (i) अध्यापक बच्चों के अधिगम निष्पत्तियों के दायित्व को स्वीकार करें। (ii) अध्यापकों के पास वह ज्ञान और कौशल हो, जो बच्चों की व्यक्तिगत आवश्यताओं के अनुसार पाठ्यचर्या और शिक्षण विधियों के चयन व अनुकूलित करने के लिए आवश्यक समझे जाते हैं। (iii) व्यक्तिगत विद्यार्थी प्रगति को मॉनीटर करने के लिए उपयुक्त तकनीक तथा प्रविधियाँ।

The following things are necessary for successful inclusion – (i) Teachers should accept responsibility for the learning outcomes of children. (ii) Teachers should have the knowledge and skills considered necessary to select and adapt curriculum and teaching methods to the individual needs of children. (iii) Appropriate techniques and procedures for monitoring individual student progress.

Ques 172. ANS (B) Solution:

कक्षा चार के अधिकांश बच्चे अपनी कक्षा में विद्यमान दृष्टिहीन बच्चों के साथ रहना पसन्द नहीं करते हैं, ऐसी अवस्था में दृष्टिहीन बच्चे सहसम्बद्धता की आवश्यकता की पूर्ति से वंचित रह जाएंगे तथा उनका सामाजिक विकास प्रभावित होगा।

Most of the children of class four do not like to live with the blind children present in their class, in such a situation the blind children will be deprived of fulfilling their need of association and their social development will be affected.

Ques 173. ANS (D) Solution:

विकलांगता से ग्रसित छात्रों को पूरी तरह से अलग कक्षा में पढ़ाना 'पृथक्कीकृत शिक्षा' को परिभाषित करता है। पृथक्कीकृत शिक्षा में अनुकूलन और संसाधनों के साथ छात्रों को मुख्य कक्षा में दाखिल नहीं किया जाता है औन न ही स्कूल के सभी बच्चों को उनकी क्षमता स्तर की परवाह किये बिना मुख्य कक्षा में शामिल किया जाता है।

Teaching students with disabilities in a completely separate classroom defines 'segregated education'. In differentiated education, students with adaptations and resources are not included in the mainstream class, nor are all children in the school included in the mainstream class, regardless of their ability level.

Ques 174. ANS (D) Solution:

विशेष रूप से सीखने की कठिनाइयों, मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों, विशिष्ट विकलांगता (शारीरिक या विकासात्मक) से पीड़ित छात्रों की शिक्षा की पद्धति और अभ्यास का वर्णन करने के लिए सामान्यतया विशेष शिक्षा शब्द का उपयोग किया जाता है। विशेष शिक्षा कार्यक्रम विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए है। इसमें उनको विशिष्ट शिक्षा प्राप्त शिक्षक समाज में समायोजन हेतु प्रशिक्षित करते है।

The term special education is commonly used to describe the method and practice of educating students with specific learning difficulties, mental health issues, or specific disabilities (physical or developmental). Special education programs are for children with special needs. In this, teachers with special education train them for adjustment in the society.

Ques 175. ANS (D) Solution:

अलग तथ्यों तथा प्रक्रियाओं का स्मरण करने में छात्रों को सक्षम बनाना, समझने हेतु शिक्षण को नहीं दर्शाता है। समझने हेतु शिक्षण के लिए आवश्यक है कि उन्हें– ∎ किसी घटना अथवा संकल्पना को अपने स्वयं के शब्दों में वर्णन करने के लिए कहना ∎ किसी नियम के कार्य का चित्रण करने के लिए उदाहरण देने हेतु पढ़ाना ∎ समानता और असमानता देखकर छात्रों की समरूपता तैयार करने हेतु सहायता करना।

Enabling students to recall isolated facts and procedures does not represent teaching for understanding. Teaching for understanding requires that they: - Asking them to describe an event or concept in their own words - Teaching to give examples to illustrate the working of a rule - Building students' analogies by observing similarities and dissimilarities To help for.

Ques 176. ANS (C) Solution:

गठनात्मक आकलन या रचनात्मक आकलन के अंतर्गत शिक्षक अपने शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण विधियों आदि की गुणवत्ता, प्रभावकारिता तथा

उपयोगिता का आकलन इसलिए करता है ताकि वह शैक्षिक कार्यक्रम, शिक्षण विधि को और अधिक उत्तम, प्रभावशाली तथा उपयोगी बना सके। इसमें दत्त कार्य, मौखिक प्रश्न, प्रश्नमंच एवं खेल जैसे मूल्यांकन के तरीके शामिल किये जाते हैं न कि सावधिक जाँच परीक्षा जैसे मूल्यांकन तरीके। सावधिक जाँच परीक्षा समेकित आकलन या योगात्मक आकलन में किया जाता है।

Under formative assessment or formative assessment, the teacher assesses the quality, effectiveness and usefulness of his educational programs, teaching methods etc. so that he can make the educational programs, teaching methods more better, effective and useful. It includes evaluation methods like assignments, oral questions, quizzes and games and not evaluation methods like periodic testing. Periodic checking examination is done in summative assessment or summative assessment.

Ques 177. ANS (B) Solution:

छात्रों द्वारा एक निश्चित अवधि में किये गये कार्यो का संग्रह पोर्टफोलियो या विभाग कहलाता है। पोर्टफोलियो वैकल्पिक तथा विश्वसनीय मूल्यांकन की एक विधि है जिसमें छात्र की प्रगति को लम्बे समय तक विभिन्न अधिगम परिस्थितियों में मापा जाता है। पोर्टफोलियो मूल्यांकन में विभिन्न ज्ञात विशिष्ट अनुदेशन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए छात्र द्वारा एक निश्चित अवधि में किये गये कार्यो का संग्रह होता है।

The collection of work done by students in a certain period is called portfolio or portfolio. Portfolio is an alternative and reliable method of assessment in which student's progress is measured in different learning situations over a long period of time. Portfolio assessment consists of a collection of work done by a student over a period of time to achieve various known specific instructional objectives.

Ques 178. ANS (A) Solution:

गणितीय तर्क और गणित के प्रति अरूचि का आकलन करने के लिए निम्नलिखित उपकरणों और तकनीकों का प्रयोग किया जा सकता है– • गणितीय तर्क क्षमता– इसका आकलन करने के लिए विभिन्न विधियों जैसे, जाँच, प्रदर्शन, अवलोकन क्रियाकलाप आदि का प्रयोग किया जा सकता है। • गणित के प्रति अरूचि– इसका आकलन करने के लिए बच्चों की कक्षा-कक्ष के क्रियाकलापों का, प्रश्न करने के तरीकों का और उनके विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों जैसे प्रदर्शनी, पहेलियाँ खेल आदि का प्रयोग किया जा सकता है।

The following tools and techniques can be used to assess mathematical reasoning and interest in mathematics – • Mathematical Reasoning Ability – Various methods like testing, demonstration, observation activities etc. can be used to assess it. . • Disinterest towards mathematics – To assess this, children's classroom activities, methods of asking questions and their various co-curricular activities like exhibitions, puzzles, games etc. can be used.

Ques 179. ANS (D) Solution:

राजनीतिक संस्थाएँ अपने संगठनों एवं शक्ति के वैधानिक प्रयोग के माध्यम से नियंत्रण की एक प्रणाली के रूप में परिभाषित होती हैं। टी.बी. बोटोमोरे के अनुसार, राजनीति मुख्यत: शक्ति के विभाजन और समाज में सत्ता से सम्बद्ध है।

Political institutions are defined as a system of control through their organizations and legal exercise of power. T.B. According to Bottomore, politics is mainly concerned with the distribution of power and authority in society.

Ques 180. ANS (B) Solution:

एक परिवार द्वारा वैध प्रजनन, वैवाहिक बन्धन का विनियमन, मानव व्यवहार का नियंत्रण जैसे कार्य समाज और व्यक्ति के लिए किया जाता है।

Functions like legitimate reproduction, regulation of marital bonds, control of human behavior are performed by a family for the society and the individual.

Ques 181. ANS (C) Solution:

राजा राम मोहन राय की यह दृढ़ मान्यता थी कि ''भारत को अपने उत्थान के लिए पश्चिमी ज्ञान को आत्मसात करना चाहिए।'' राम मोहन ने अंग्रेजी भाषा और पश्चिमी शिक्षा प्रणाली को महत्त्व दिया और लार्ड मैकाले के कदम का समर्थन किया। उन्होंने अंग्रेजी स्कूल, हिन्दू कॉलेज 1817 (प्रेसीडेन्सी कॉलेज) और कलकत्ता में वेदान्त कालेज शुरू किया।

Raja Ram Mohan Roy had a strong belief that "India should assimilate Western knowledge for its upliftment." Ram Mohan gave importance to the English language and the Western education system and supported Lord Macaulay's move. He started the English School, Hindu College 1817 (Presidency College) and Vedanta College in Calcutta.

Ques 182. ANS (B) Solution:

उपर्युक्त कथन रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा कहा गया है। इनके मत में साहित्य, इतिहास, भूगोल, विज्ञान, कला, संगीत, प्रयोगशाला कार्य, बागवानी, पर्यटन स्वशासन व समाज आदि का अध्ययन करने पर जोर देना चाहिए।

The above statement has been said by Rabindranath Tagore. In their opinion, emphasis should be laid on studying literature, history, geography, science, art, music, laboratory work, horticulture, tourism, self-governance and society etc.

Ques 183. ANS (B) Solution:

विज्ञान की एक अच्छी पाठ्यपुस्तक की विशेषता है नवीनतम जानकारी का समावेशन। इसके साथ ही पाठ्यपुस्तकों में गतिविधियों, सूक्ष्म अवलोकन, प्रयोग आदि को भी शामिल किया जाना चाहिए और विज्ञान के प्रति एक ऐसे सक्रिय रुख को बढ़ावा देना चाहिए जो बच्चे को उसके आस–पास की दुनिया से जोड़ सके और केवल सूचना आधारित न हो।

A characteristic of a good science textbook is its inclusion of up-to-date information. Along with this, textbooks should also include activities, micro observations, experiments etc. and should promote an active attitude towards science which can connect the child with the world around him and is not merely information based.

Ques 184. ANS (C) Solution:

पाठ्यचर्या निर्माण का कार्य एक अत्यधिक विशेषज्ञता वाला कार्य माना जाता है क्योंकि शिक्षा एवं शैक्षणिक व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन सुधार व परिमार्जन लाने हेतु पाठ्यचर्या एक उद्देश्यपूर्ण, प्रगतिशील एवं व्यवस्थित माध्यम है। पाठ्यचर्या समाज एवं राज्य की आवश्यकताओं की पूर्ति करने एवं व्यक्तियों को निश्चित दिशा की ओर प्रवृत्त करने का सशस्त तरीका है जिसके माध्यम से कोई देश या राज्य या समाज विश्व में हो रहे बदलाव व विकास की अविरलता को व्यक्तियों तक पहुँचाने व जागरुक बनाने के साथ–साथ उन्हें समय के परिप्रेक्ष्य में उपयुक्त बनाने का प्रयास करता है। ऐसे व्यापक उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक पाठ्यचर्या के निर्माण के लिए विशेष विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है जो समाज की विविधता, शिक्षा के मनोवैज्ञानिक व दार्शनिक आधारों, संस्कृति, राष्ट्रीय गौरव आदि की व्यापक समझ रखता हो।

The work of curriculum development is considered to be a highly specialized work because curriculum is an objective, progressive and systematic medium to bring positive changes, improvements and modifications in the education and educational system. Curriculum is a strong way to fulfill the needs of the society and the state and to direct the

individuals towards a certain direction, through which a country or a state or a society can reach out to the individuals and make them aware of the continuity of change and development taking place in the world. Also tries to make them appropriate in the context of time. To create a curriculum helpful in achieving such broad objectives, special experts are required who have a comprehensive understanding of the diversity of the society, psychological and philosophical bases of education, culture, national pride etc.

Ques 185. ANS (D) Solution:

राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2016 के अनुसार, प्री–स्कूल के बच्चों में स्कूल जाने के लिए तैयार होने की दक्षता से संबंधित एक प्रमुख चिंता संज्ञानात्मक क्षेत्र में तैयारी दक्षता है क्योंकि प्री–स्कूल में बालक ज्ञान की उस अवस्था को प्राप्त नहीं कर पाता है, जिसकी उसे उस आयु में आवश्यकता होती है।

According to the National Educational Policy 2016, a major concern related to school readiness skills of pre-school children is the readiness skills in the cognitive domain because in pre-school the child does not attain the state of knowledge required for He needs it at that age.

Ques 186. ANS (C) Solution:

दूरस्थ शिक्षा में, अधिगमकर्ता अकेले या समूह में, अध्ययन सामग्री के द्वारा निर्देशित होकर कार्य करता है। दूरस्थ शिक्षा, शिक्षा की वह प्रणाली है जिसमें शिक्षक तथा शिक्षु को स्थान–विशेष अथवा समय विशेष पर मौजूद होने की आवश्यकता नहीं होती है और शिक्षु किताबों की सहायता से ज्ञान अर्जित करते हैं।

In distance education, the learner works alone or in a group, guided by the study material. Distance education is a system of education in which the teacher and the student do not need to be present at a particular place or time and the student acquires knowledge with the help of books.

Ques 187. ANS (B) Solution:

सामाजिक विज्ञान पढ़ाते समय एक शिक्षक को तथ्यों, मूल्यों तथा आदर्शों पर बल देना चाहिए।

While teaching social science, a teacher should emphasize facts, values and ideals.

Ques 188. ANS (A) Solution:

कक्षा VII के विद्यार्थियों को मानव संसाधन के अध्यापन के समय एक शिक्षक को विद्यार्थियों को संसाधन के रूप में लोगों के महत्त्व के बारे में बताना चाहिए, साथ ही मानव संसाधन का विकास किस प्रकार किया जा सकता है, यह भी बताना चाहिए।

While teaching human resources to class VII students, a teacher should tell the students about the importance of people as a resource and also how human resources can be developed.

Ques 189. ANS (B) Solution:

अभिभावक सहयोग की कमी, प्री–स्कूल में गुणवत्ता सम्बन्धित समस्या नहीं है जबकि अप्रभावी अध्यापन, प्रशिक्षित अध्यापक की कमी, अनुचित पाठ्यक्रम आदि प्री–स्कूल में गुणवत्ता सम्बन्धी समस्या हो सकती है जो शिक्षण–अधिगम को प्रभावित कर सकती हैं।

Lack of parental support is not a quality related problem in pre-school, whereas ineffective teaching, lack of trained teachers, inappropriate curriculum etc. can be a quality related problem in pre-school which can affect teaching-learning.

Ques 190. ANS (C) Solution:

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF)–2005 के अनुसार छात्रों को उच्च प्राथमिक चरण तक नृत्य के मूल लक्षणों से परिचित करवा दिया जाना चाहिए। एन.सी.एफ. के अनुसार कला शिक्षा आवश्यक रूप से एक उपकरण और विषय के रूप में शिक्षा का हिस्सा हो और हर स्कूल में इससे सम्बंधित सुविधाएँ हों। कला के अंतर्गत–संगीत, नृत्य, दृश्य कला और नाटक–चारों को शामिल किया जाना चाहिए।

According to the National Curriculum Framework (NCF)–2005, students should be introduced to the basic features of dance till the upper primary stage. N.C.F. According to this, art education should necessarily be a part of education as a tool and subject and every school should have facilities related to it. All four – music, dance, visual arts and drama – should be included under art.

Ques 191. ANS (A) Solution:

स्कूल के संघटन में पाठ्यक्रम मूल निर्धारी घटक होता है। शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के साधन के रूप में पाठ्यक्रम का प्रयोग किया जाता है। सामान्य शब्दों में शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सुनियोजित व्यवस्था की आवश्यकता होती है। यह व्यवस्थित या सुनियोजित व्यवस्था ही पाठ्यक्रम कहलाती है।

Curriculum is the basic determining factor in the organization of a school. Curriculum is used as a means to achieve educational goals. In general terms, to achieve the objectives of education, a well-planned system is required. This systematic or planned arrangement is called curriculum.

Ques 192. ANS (D) Solution:

स्कूल की शिक्षा के दरजे का सूचक है विद्यार्थी उपलब्धि स्तर। विद्यार्थियों की उपलब्धि स्तर के अनुसार उनकों एक दरजे से दूसरे दरजे में स्थानान्तरित किया जाता है। यदि विद्यार्थियों का उपलब्धि स्तर निम्न होता है तो यह माना जाता है कि शिक्षा की गुणवत्ता में कमी है या शिक्षा दोयम दरजे का है। ऐसी स्थिति में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता होती है।

Student achievement level is an indicator of the quality of school education. According to the achievement level of students, they are transferred from one grade to another. If the achievement level of students is low then it is considered that the quality of education is lacking or the education is of second rate. In such a situation, there is a need to improve the quality of education.

Ques 193. ANS (C) Solution:

शिक्षा में अनुसंधान के महत्त्व को दर्शाने वाले निम्न कारण हैं– ∎ अनुसंधान ज्ञान को जाँचने का, परीक्षण करने का और मान्य करने का हथियार है। ∎ अनुसंधान नया ज्ञान पैदा करने का एक प्रबल साधन है। ∎ अनुसंधान शिक्षकों द्वारा किये गये प्रश्नों का समाधान मुहैया कराता है। ∎ अनुसंधान जीवन के उद्देश्य की प्राप्ति का सरल उपाय देता है। ∎ अनुसंधन अनेक प्रशासनिक गुत्थियों को सुलझाकर स्वस्थ्य प्रशासनिक व्यवस्था के सफल संचालन में सहायक होता है।

The following are the reasons which show the importance of research in education – ▪ Research is a weapon to investigate, test and validate knowledge. ▪ Research is a powerful means of generating new knowledge. ▪ Research provides solutions to questions posed by teachers. ▪ Research gives a simple way to achieve the aim of life. ▪ Research helps in the successful running of a healthy administrative system by solving many administrative problems.

Ques 194. ANS (D) Solution:
शिक्षार्थियों को आलोचनात्मक और विचारोत्तेजक गतिविधियों में शामिल करना सबसे अधिक प्रभावी शिक्षण पद्धति है, जिसे शिक्षकों को सामाजिक विज्ञान में इस्तेमाल करना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 के अनुसार सामाजिक विज्ञान शिक्षण में ऐसी विधियों का उपयोग किया जाना चाहिए जो रचनात्मकता, सौन्दर्यबोध तथा आलोचनात्मक समझ बढ़ाए और बच्चों को अतीत तथा वर्तमान के बीच सम्बन्ध बनाने एवं समाज में होने वाले परिवर्तनों को समझने में सक्षम करें।
Engaging learners in critical and thought-provoking activities is one of the most effective teaching methods that teachers should use in social sciences. According to the National Curriculum Framework-2005, such methods should be used in social science teaching which enhance creativity, aesthetic sense and critical understanding and enable children to make connections between past and present and understand the changes taking place in the society.
Ques 195. ANS (C) Solution:
किसी शिक्षक को एक चुनाव के दौरान उसके विभिन्न मुद्दों की भूमिका को समझाने के लिए विद्यार्थियों से प्रत्येक पार्टी की प्राथमिकताओं और उसकी सर्वाधिक समर्थनकारी नीतियों के प्रकारों का विश्लेषण करने से संबंधित प्रश्न पूछने चाहिए।
A teacher should ask students questions about analyzing each party's priorities and the types of policies it most supports in order to understand the role of various issues in an election.
Ques 196. ANS (D) Solution:
एक दशक में एक क्षेत्र विशेष में वर्षा में आने वाले बदलावों को प्रदर्शित करने के लिए आवृत्ति बहुभुज शिक्षण–सामग्री उपयुक्त है। आवृत्ति बहुभुज में अनेक कोणों वाले चित्र की रचना की जाती है जिसका आकार टेढ़ा-मेढ़ा होता है।
Frequency polygon teaching material is suitable for showing the changes in rainfall in a particular area over a decade. In frequency polygon, a picture with many angles is created whose shape is zig-zag.
Ques 197. ANS (B) Solution:
राजनीति शब्द का अर्थ है– सरकार का विज्ञान जिसके अन्तर्गत हम सरकार उसकी नीतियों, कार्यो तथा शक्तियों का अध्ययन करते हैं। अत: The science of government को प्रतिस्थापित करने वाला शब्द politics है।
The word politics means the science of government, under which we study the government, its policies, functions and powers. Hence the word to replace The science of government is politics.
Ques 198. ANS (B) Solution:
A Lot of work remains to be done.
Ques 199. ANS (A) Solution:
निगमन तर्क में व्यक्ति अपने पूर्व अनुभवों, विश्वासों, सिद्धांतों के आधार पर अपनी समस्या के सम्बन्ध में चिन्तन करके समस्या का समाधान प्राप्त करता है। निगमन तर्क वास्तव में किसी सामान्य सिद्धांत को स्वीकार करने तथा उसे अन्य परिस्थितियों में प्रयुक्त करने से सम्बन्धित होता है। जैसे– सामान्य सिद्धांत है कि सभी प्राणी नश्वर होते हैं। व्यक्ति इसे स्वीकार करके तर्क कर सकता है कि रमेश एक प्राणी है, अत: रमेश भी नश्वर होगा। इस विधि में निष्कर्ष निकालने के लिए वर्तमान ज्ञान का उपयोग किया जाता है।
In deductive reasoning, a person finds a solution to his problem by thinking about his problem on the basis of his previous experiences, beliefs and principles. Deductive logic is actually related to accepting a general principle and applying it to other situations. For example, the general principle is that all living beings are mortal. One can accept this and reason that Ramesh is a living being, hence Ramesh will also be mortal. In this method current knowledge is used to draw conclusions.
Ques 200. ANS (D) Solution:
अगर सभी जानवरों के पास 4 पैर होते हैं और यदि एक टेबल में भी 4 पैर हैं तो टेबल भी एक जानवर है। तो इस प्रकार के तर्क को निगमनात्मक तर्क कहा जाता है। तर्क की जिस प्रक्रिया में एक या अधिक ज्ञात सामान्य कथनों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुँच जाता है, निगमनात्मक तर्क कहते है।
If all animals have 4 legs and if a table also has 4 legs then the table is also an animal. So this type of reasoning is called deductive reasoning. The process of reasoning in which a definite conclusion is reached on the basis of one or more known general statements is called deductive reasoning.